दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें:9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 64 मुरादाबाद, 23 June 2023 (Friday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

CM योगी ने नव जोड़ों को दिया आशीर्वाद, बोले-आधी आबादी को नकार कर सशक्त नहीं हो सकता समाज

यूपी में मिलेगी फ्री कानूनी सहायता, योगी सरकार ने लागू की एलएडीसीएस प्रणाली

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार महिला सुरक्षा, सम्मान व सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस हर जरूरी कदम उठा रही है। हर बेटी, बहन के लिए सुरक्षा के वातावरण में पढ़ाई, रोजगार और सम्मान देने के कार्य पूरी प्रतिबद्धता से चलाए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी को नकार कर कोई भी समाज सशक्त नहीं हो सकता। आधी आबादी के सशक्तिकरण के बिना विकास की अवधारणा को मूर्त रूप नहीं दिया जा सकता। समाज को सशक्त करने के लिए महिलाओं के प्रति अत्याचार को रोकना होगा, सशक्तिकरण के कदम उठाने होंगे। इसे समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार नारी गरिमा की रक्षा व सशक्तिकरण के लिए मिशन मोड में काम कर रही है।सीएम योगी गुरुवार दोपहर में चंपा देवी पार्क मैदान में डेढ़ हजार जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दहेज की सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ सामूहिक विवाह योजना एक सकारात्मक अभियान है। दहेज एक सामाजिक कुरीति है और दहेज मुक्त विवाह के अभियान में पूरे समाज को खड़ा होना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक दो लाख से अधिक शादियां करा चुकी है। 2017 के पूर्व प्रति जोड़े विवाह पर 31 हजार रुपये खर्च किए जाते थे बाद में इसे बढ़ाकर 51 हजार रुपये कर दिया गया है। डबल इंजन की सरकार का यह सामूहिकता का प्रयास है।

महिला सशक्तिकरण को सरकार प्रतिबद्ध, उठा रही हर जरूरी कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार महिला सुरक्षा, सम्मान व सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और इस हर जरूरी कदम उठा रही है। हर बेटी, बहन के लिए सुरक्षा के वातावरण में पढ़ाई, रोजगार और सम्मान देने के कार्य पूरी प्रतिबद्धता से चलाए जा रहे हैं। प्रदेश में कन्या के जन्म से लेकर स्नातक की पढ़ाई के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना चलाई जा रही है तो महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरे प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है।कन्या की स्नातक की पढ़ाई के बाद उसकी शादी के लिए भी किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, इसके लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना है। यह गांव की बेटी, सबकी बेटी की भावना के अनुरूप है। सीएम योगी ने महिला कल्याण के क्षेत्र में सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना आदि योजनाओं का भी जिक्र किया।पुलिस में 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती, गोरखपुर में पीएसी की महिला बटालियन

सीएम योगी ने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए उनकी सरकार ने पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती को अनिवार्य कर दिया है। 1947 से लेकर 2017 तक यूपी पुलिस में महिला कार्मिकों की संख्या दस हजार थी, आज यह संख्या चालीस हजार है। 2017 के बाद महज छह वर्षों में यह संख्या चार गुना हो गई है। इस तरह के अभियान को गति देते हुए गोरखपुर में पीएसी की महिला बटालियन की स्थापना के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

10 नवयुगलों को प्रमाण पत्र व उपहार भेंट किया भेंट

इस समारोह में डेढ़ हजार जोड़े विवाह के पावन बंधन में बंधे। नवयुगलों में हिन्दू, मुस्लिम दोनों शामिल रहे। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए मुख्यमंत्री ने उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंच से दो अल्पसंख्यक जोड़ों समेत दस नवयुगलों को प्रमाण पत्र और उपहार-शगुन किट भेंट किया। प्रमाण पत्र देने के दौरान मुख्यमंत्री ने जोड़ों से आत्मीय संवाद भी किया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद रविकिशन शुक्ल, कमलेश पासवान, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक श्रीराम चौहान, फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, डॉ विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि भी उपस्थित रहे। योगी सरकार ने दो साल के लिए कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली लागू कर दी है। इसके तहत चीफ, डिप्टी एवं असिस्टेंट काउंसिल की सेवाओं के माध्यम से आम जन को कानूनी सहायता दी जाएगी।

योगी सरकार ने प्रदेश की जनता को फ्री कानूनी सहायता देने और छोटे-छोटे विवादों को समझौते के आधार पर निपटाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत दो वर्ष के लिए कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (एलएडीसीएस) को लागू किया है। योगी सरकार ने प्रदेश की जनता को इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है ताकि आपराधिक मामलों में सार्वजनिक रक्षक प्रणाली की तर्ज पर आम जन को कानूनी सहायता प्रदान की जा सके। एलएडीसीएस प्रणाली में चीफ, डिप्टी एवं असिस्टेंट काउंसिल की सेवाओं के माध्यम से आम जन को कानूनी सहायता प्रदान की जाएगी। समाज के कमजोर वर्ग को प्रभावी कानूनी सेवाएं देना एलएडीसीएस का उद्देश्य योगी सरकार का एलएडीसीएस का लागू करने का उद्देश्य समाज के कमजोर और निर्बल वर्गों को प्रभावी और कुशल कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए न्यायालय आधारित कानूनी सेवाओं को मजबूत करना है। साथ ही पात्र व्यक्तियों को आपराधिक मामलों में गुणात्मक और सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करेगा। इसका लाभ अनुसूचित जाति और जनजाति के सदस्य उठा सकते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा किए जा रहे अवैध व्यापार से पीड़ित इसका सीधा लाभ ले सकेगा।ये लोग उठा सकेंगे एलएडीसीएस का लाभ - प्रदेश की पीड़ित की महिलाओं, बेटियां और बच्चे। - दृष्टिहीनता, कुष्ठ रोग, बहरेपन, दिमागी कमजोरी आदि निर्योग्यता से ग्रस्त व्यक्ति एवं खानाबादोश व्यक्ति । - सामूहिक आपदा, जातीय हिंसा, वर्गीय अत्याचार, बाढ़, अकाल, भूकम्प अथवा औद्योगिक आपदा से पीड़ित व्यक्ति। - औद्योगिक कामगार। - किशोर अपचारी अर्थात 18 वर्ष तक की आयु के बालक। - अभिरक्षा में निरुद्ध व्यक्ति। - सुरक्षा गृह, मानसिक अस्पताल अथवा नर्सिंग होम में भर्ती मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति। - ऐसा व्यक्ति जिसकी वार्षिक आय ?3,00,000/- से कम हो। यह लाभ उठा सकेंगे - एलएडीसीएस मुख्यतः जिले अथवा मुख्यालय में आपराधिक मामलों में विशेष रूप से कानूनी सहायता प्रदान करने का कार्य करता है। सभी सत्र न्यायालयों, विशेष न्यायालयों, मजिस्ट्रेट न्यायालयों तथा कार्यकारी न्यायालयों में सभी विविध कार्यों सहित प्रतिनिधित्व, परीक्षण और अपील कर सकेंगे।

- जिला न्यायालय/ कार्यालय में उपस्थित होने वाले व्यक्तियों को उनकी प्रतिरक्षा के लिए कानूनी सलाह और सहायता प्रदान करना। - नालसा स्कीम के तहत गिरफ्तारी से पूर्व अवस्था में कानूनी सहायता प्रदान करना। - फौजदारी मामलों में गिरफ्तारी पश्चात् रिमांड स्तर पर, जमानत, विचारण तथा अपील दाखिल करने के लिए।

विपक्ष की मीटिंग से दूर रखी गईं मायावती ने किया तीखा हमला

बसपा सुप्रीमो मायावती ने पटना में 23 जून को होने जा रही विपक्षी दलों की बैठक पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि इस कोशिश के पहले जनता में विश्वास जगाने का प्रयास होता तो बेहतर होता।बसपा प्रमुख मायावती ने 23 जून को होने जा रही विपक्षी पार्टियों की बैठक पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विपक्षी नेताओं की पटना बैठक %दिल मिले ना मिले हाथ मिलाते रहिए% की कहावत को ज्यादा चरितार्थ करती है।महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, पिछड़ापन, शिक्षा, जातीय द्वेष, धार्मिक उन्माद और हिंसा आदि से देश में बहुजन के हालात त्रस्त हैं । इससे स्पष्ट है कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के मानवतावादी समतामूलक संविधान को सही से लागू करने की क्षमता कांग्रेस और बीजेपी जैसी पार्टियों के पास नहीं है।उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा कि वैसे अगर लोकसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखकर इस प्रकार के प्रयास से पहले यह पार्टियां जनता में उनके प्रति आम विश्वास जगाती तो ठीक होता। अपने गिरेबान में झांक कर अपनी नीयत को साफ करतीं तो सही होता। मुंह में राम बगल में छुरी आखिर कब तक चलेगा। उन्होंने कहा कि यूपी में लोकसभा की 80 सीट चुनावी सफलता की कुंजी हैं लेकिन विपक्षी पार्टियों के रवैए से ऐसा नहीं लगता। वह यहां अपने उद्देश्य के प्रति गंभीर या सही मायने में चिंतित नहीं हैं। बिना सही प्राथमिकताओं के साथ यह लोकसभा चुनाव की तैयारियां क्या वाकई बदलाव ला पाएंगी। बैठक में कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हो सकते हैं।

लालू के पैर छूकर निकलीं ममता बोलीं- अभी भी बहुत तगड़े हैं, बीजेपी से लड़ सकते हैं, हम साथ लड़ेंगे

विपक्षी एकता की बैठक के लिए नेता पटना पहुंच रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंचीं तो राजद अध्यक्ष लालू से मिलने गईं। मिलकर निकलीं तो पूरी ऊर्जा के साथ कहा कि लालू अभी भी बहुत तगड़े हैं। बीजेपी से लड़ सकते हैं।किडनी ट्रांसप्लांट के बाद भारत लौटे राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने महागठबंधन की बैठक को ऑनलाइन संबोधित कर जो तेवर दिखाए थे, उससे ही लग रहा था कि बिहार फिर देश की राजनीति का केंद्रबिंदु बनेगा। विपक्षी एकता के लिए 23 जून को होने वाली बैठक में लालू की सक्रियता खुलकर सामने आ रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी विपक्षी एकता के लिए बुलाई गई बैठक के लिए पटना आईं तो राजद अध्यक्ष से मिलने पहुंच गईं। मिलने के बाद उन्होंने लालू की सेहत और जज्बे पर **खुलकर चर्चा की।क्या कहा ममता बनर्जी ने, क्या संदेश है इसका**

ममता बनर्जी ने कहा- 卐लालू प्रसाद देश में काफी सीनियर लीडर हैं। वे बहुत दिन जेल में थे। उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। लेकिन, आज उनसे बात कर लगा कि लालूजी अभी भी बहुत तगड़े हैं और बीजेपी से लड़ सकते हैं।卐 ममता बनर्जी ने पुराने दिनों की याद भी ताजा की। उन्होंने बताया- 卐एक दिन लालूजी संसद में भाषण दे रहे थे रहे थे। हम भी तब एमपी थे। प्याज-आलू का भाव बढ़ गया था। लालूजी बोल रहे थे, तब हमने कहा- राबड़ीजी का भाव क्या है?

ममता बोलीं- मैं लालू प्रसाद यादव की काफी इज्जत करती हूं

लालू जी ने कहा कि सबसे ज्यादा भाव है राबड़ीजी का। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों की शुक्रवार को होने वाली बैठक के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हम लोग इकट्ठा हो रहे हैं। एक साथ लड़ेंगे। वन इज टू वन लड़ेंगे। राजद सुप्रीमो से मिलने के बाद कांग्रेस और सीपीएम के साथ लड़ने के सवाल पर ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्षी एकता की मीटिंग के बाद जो तय होगा, वैसा ही किया जाएगा। ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे बिहार आकर काफी अच्छा लगता है। मैं जनता को धन्यवाद देती हूं। बिहार का नालंदा विश्वविद्यालय और यहां की मिठाई को काफी पसंद करती हूं। मैं लालू प्रसाद यादव की काफी इज्जत करती हूं। वह देश के सबसे सीनियर लीडर में से एक हैं। बहुत दिन जेल में रहे। हॉस्पिटल में रहे। उनकी तबीयत भी ठीक नहीं लगी। आज उनसे मिलकर लगा कि लालू जी का स्वास्थ्य काफी अच्छा है। अभी वह बहुत दिन भाजपा से लड़ सकते हैं। उनसे

संपादकीय Editorial

American technology or factory

In an interview on his way to the US, Prime Minister Modi said that India's time has come. This statement is certainly accurate in summary. India is the largest democracy in the world. Has the largest population. That is, consumers. It is the largest and most diverse market. Largest buyer of arms. America also supplies 11 percent of weapons to India. About 45 percent of the arms are supplied by Russia and about 30 percent by France. Indo-US mutual military exercise is also 'unique'. In the last two decades, many new dimensions of Indo-US relations have opened up. Both countries are also reliable strategic partners. The delicate concern of both is the Indian Pacific Ocean region, in which China's interference is also there. There is also a powerful platform of India, America, Japan, Australia through 'Quad', through which China can be kept under control. In fact, slogans are raised in the cities of America, 'Tricolor' is being hoisted in the capital Washington and New York, Indians are getting emotional, American President and Indian Prime Minister will hug and a state dinner is held in 'White House', India All this is not enough for. The important question is what is India going to get from this state visit in every sense? Or are the prospects solidifying? It is customary to welcome the visiting head of state or prime minister on a state visit. In June 1963 the then President Sarvepalli Radhakrishnan and in November 2009 the then Prime Minister Dr. Manmohan Singh were also state guests of America.

The nuclear deal that Dr. Singh signed with America in 2005 was also unprecedented and historic. In fact, America is now trying to wink at India, because trust and diplomacy have matured with India at many levels. American industries were looking for new markets to expand their businesses. They needed a partner who could also manufacture their products, so talks are on for a technology-level tie-up. Prime Minister Modi is the elected executive representative of India, so US President Joe Biden will hold bilateral talks with him and strengthen the foundation of mutual relations. It is also a democratic tradition. We mentioned in an editorial the jet aircraft engine of the American company General Electric (GE). If now there is an agreement for 100% transfer of technology of this engine, if the most dangerous and aggressive Predator drones are also available with technology, Stryker armored vehicles, M-777 light howitzers, long range bombs and missiles, etc. , then definitely there will be a lot of expansion in India's military power and China will also be able to remain on target, under surveillance. America has not supplied any country including the GE-414 jet engine and Predator drones with their technology. After the agreement, these engines and weapons will be produced in India only and they can also be used in 'Tejas' indigenous fighter aircraft. The important question is also on what terms the technology will be transferred? Will that product also be called 'Indian'? Or will India just be in the role of a factory?

How much will American companies invest in India? Of course, after the 9/11 terrorist attack, America understood the power of the Indian Army, so after that it also started giving weapons, but technology is being transferred for the first time, if there is an agreement. However, the 21-gun salute that will be given to Prime Minister Modi at the White House is actually a symbol of India's respect and acceptance of its emerging power. In the year 2022-23, $ 128.8 billion trade was done between India and America. American industrialists now aim to increase it to $500 billion. India is the most favorable country and market.

Uniform Civil Code in India, how big is the challenge for the Modi government?

The Ranjana Desai Committee, constituted by the Uttarakhand Government to prepare the text of the Uniform Civil Code law, was about to meet the 22nd Law Commission in Delhi, that the Commission also started the initiative on the Uniform Civil Code leaving behind other subjects. At present, the Commission has started opinion polling on this subject at the national level. Here, the question arises whether the Uniform Civil Code is practical in India with so many diversities? If it was practical, the Constituent Assembly would not have put this issue in the Directive Principles of Policy? If it were so easy, then this law would have come in the country even before the removal of Article 370. On the other hand, the Law Commission hastily moving forward with the Uniform Civil Code, this indicates that the Commission will soon give its positive opinion on this subject. Will give and Uniform Civil Code will be implemented in the country before the 2024 Lok Sabha elections, regardless of its legal or constitutional consequences. In fact, once the law is implemented, the ruling Modi government at the center will be able to proudly claim that after removing Article 370 from Kashmir, it also got the construction of the Ram temple done and the third important resolution, the Uniform Civil Code, has also been put into practice. . Even if the law is challenged in the court, its political advantage can be taken by saying that we have fulfilled the promise but the opponents do not want it. Dhami government's exercise for the center - The 21st Law Commission constituted during the tenure of the Modi government had clearly said that Uniform Civil Code is neither necessary nor desirable. Even after this clear comment, if the 22nd Commission is giving priority to this subject, then it can be understood that the Union Ministry of Law and Justice is more interested in it than the Commission. Apparently, the ministry had also said on more than one occasion that a decision on this subject would be taken after the opinion of the Law Commission. Since BJP-ruled Uttarakhand has gone a long way in this matter and BJP has promised Uniform Civil Code in the assembly elections of Himachal, Gujarat and Karnataka. Other BJP ruled states are also moving in this direction. Under Article 44, which has policy-directive elements of the Constitution, states can make Uniform Civil Code, but according to Article 254-B, that law cannot be implemented without the permission of the President. It is obvious that this initiative is not happening in the states without the permission of the BJP top leadership. If the top leadership of the BJP is getting all this done by the Dhami government, then it is not making unnecessary exercises, but it is clearing the way for law making itself. The Dhami government only created an atmosphere – in the year 2019, a BJP MLA Ashwani Upadhyay filed a petition in the Delhi High Court regarding the implementation of the Uniform Civil Code, on which the Union Ministry of Law and Justice filed a 12-page affidavit saying That on receipt of the report of the Law Commission, a law can be made by the Central Government after talking to other stakeholders. Then in February 2022, the then Law and Justice Minister Kiren Rijiju had said in the Parliament – Under Article 44 of the Constitution, it is to be implemented in the entire territory of India, so only the law made by the Central Government or the Parliament can be more practical. . In the light of these facts, it can be understood that the efforts of BJP-ruled states like Uttarakhand in this direction or earlier are just to create atmosphere and the real effort in this direction has now started with the initiative of the 22nd Law Commission. A formality - The thing to be noted is that the Uniform Civil Code Draft Committee of Uttarakhand has given lessons to the commission about the public opinion polling being conducted by the 22nd Law Commission regarding the Uniform Civil Code. The chairperson of the committee, Justice Ranjana Desai, after meeting the Central Commission, had claimed that Uttarakhand has a huge majority in favor of the Uniform Civil Code and very few people have opposed it. In Uttarakhand, 85 percent of the population is of Hindus, who have no problem with the Uniform Civil Code because civil codes have been made for them in 1955 and 56 itself. Anyway, the committee had collected the opinion of general public and especially people of a political and religious ideology, instead of lawyers, legalists and intellectuals. Why would the opinionated majority want privilege in personal matters for some other community? A similar opinion poll has to be held at the national level as well and it is bound to have a huge majority of Hindus in favor of the Uniform Civil Code at the national level as in Uttarakhand. This mantra was blown in the ears of the Law Commission by the committee of Uttarakhand.How will the law be implemented in the tribes? - Let's give Personal laws also come under religious customs. The constitution recognizes the customary laws of more than 700 tribes of the country as well as guarantees to obey their customs, therefore in the autonomous districts in the Schedule-6 areas those tribal traditional panchayats have been recognized which are little Judicial rights are also available, so the 73rd and 74th amendments of the constitution could not be implemented there. The practice of polyandry and polyandry still continues in the tribes. How will the Uniform Civil Code intervene? The result of teasing the tribals is visible in Manipur. The population of Parsis in India is less than one lakh. The population of Parsis, who have made extraordinary contribution in the all-round development of India, is not even one lakh. Marrying outside the fraternity means losing the property there. These strict civil laws are there so that the existence of this human race can be maintained. By coercing a particular class or community, votes may increase, but if you tease the tribes, many Birsamundas can stand up to save their existence. Here, the question arises whether the Uniform Civil Code is practical in India with so many diversities? If it was practical, the Constituent Assembly would not have put this issue in the Directive Principles of Policy? If it was so easy, this law would have come in the country before Article 370 was removed. Actually, when Article 370 was removed, it was said that a country should have the same law and administration, so a separate section was removed, but many sub-sections of Article 371 are still present and asking where one country is one law. Is? If one country one law is practical then why the 73rd and 74th amendment of the constitution for new Panchayati Raj is not applicable in North Eastern states? not easy one country one law Articles 25 to 28 of the Constitution guarantee not only freedom of religion to the citizens of India, but also freedom of religious practice.

Politics: How successful will the opposition unity be, the road to 2024 is very difficult with many weak points

Those parties will also participate in the opposition meeting to be held in Patna tomorrow, which had earlier raised objections about the Congress. Then the opposition does not have such a face, which can compete with Narendra Modi. This is the weak point of the opposition. The timing of the convention of opposition parties in Patna was changed from June 12 to June 23 to accommodate the Congress. Whatever the reasons for the time change, June 12 brings back many uncomfortable memories for the Congress—and they may have been provoked by the opposition. Significantly, on this day in the year 1975, the then Prime Minister Indira Gandhi had to face a triple whammy – which changed the condition and direction of Indian politics. The day began with a personal loss for Mrs Gandhi - the death of her confidant and close advisor DP Dhar (Durga Prasad Dhar), a member and leader of the 'Kashmiri Mafia', a group of officers close to her. Dhar was then posted as ambassador in Moscow and Mrs. Gandhi called him to Delhi for consultations. Soon after his funeral came the far-reaching judgment of the Allahabad High Court which nullified his election. And in the evening came the news that the Congress had lost the Gujarat elections to a group of opposition parties (the Janata Party), which later ousted them from power in 1977. Thirteen days later, on June 25, Indira Gandhi imposed a state of emergency in the country, suspended fundamental rights of the people, introduced press censorship, and arrested prominent opposition leaders. This was something that further dragged down the party. That's why from June 12, Congress as well as other opposition parties are feeling uneasy. Since then a lot of water has flown in the Ganges. The Congress is no longer the force it used to be. And the same parties, which united against it then, today want to join it in preparation for fighting a bigger battle against the BJP in 2024. Congress President Mallikarjun Kharge and Rahul Gandhi are going to attend the opposition convention in Patna on 23rd June. Opposition unity against the BJP is not complete without the Congress, many regional parties believe. This conference in Patna is important not because 21 opposition parties are participating in it, it has happened in the past as well, but it is important because this time those people who had earlier raised objections about the Congress, although all The differences could not be resolved. Non-BJP parties got 62 per cent votes in 2019. Opposition leaders know that in 2024, a joint opposition candidate should be fielded against the BJP in as many Lok Sabha constituencies as possible. This should be their mantra, program and agenda. Nothing else really matters. But even with the best of intentions, that's easier said than done. If there is a difference of opinion between the parties, then it is even more difficult. Clearly, the opposition will have to adopt a strategy different from the one being adopted by the BJP, which will give it a big win. Obviously, the opposition parties will have to step in. For instance, the BJP has a powerful and popular leader in Modi. The opposition does not have a face that can 'take on' Modi and be acceptable to most parties - certainly not before the elections. This is the weak point of the opposition. Although Rahul Gandhi has gained a lot of popularity with his 'Bharat Jodo Yatra', he will not be acceptable to many regional parties. Therefore, instead of highlighting its weaknesses, the opposition has to use its strengths. If they get enough seats to form the government, a leader can be chosen after the elections. Making an issue of people's economic difficulties during the elections can make a difference, although the BJP will also have many tricks. She has many things to woo people, like through the G-20 summit in Delhi on September 9-10, she can prove that India is becoming a Vishwaguru and all the leaders of the world are knocking at its door. . Or the inauguration of the Ram temple in Ayodhya in January, 2024, which emphasizes the BJP's cultural project. There are three types of constituencies in the Lok Sabha elections - there are about 200 seats where the Congress is in a direct contest with the BJP, there are seats where regional parties are in competition with the BJP and the third category has a large number of seats where There are regional parties against the Congress. Parties like NCP can help by not fielding candidates against Congress in states like Gujarat or Karnataka, where they are not real players, but can become 'vote katwa'. And the Congress can help regional parties in states like Uttar Pradesh and West Bengal, where it has been wiped out. The third category may seem easier where the Left and the Congress are fighting each other, as in Kerala, but building a consensus here will prove most difficult.

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुटा पुलिस प्रशासन, एडीजी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा...अधिकारियों को दिए निर्देश

मुरादाबाद- सावन माह की कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। गुरुवार को बरेली जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीसी मीणा ने जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। एडीजी ने कहा कि सभी मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था के साथ रूट डायवर्जन प्लान और सुरक्षा को लेकर सभी तैयारी शुरू कर ली जाएं। एडीजी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के मद्देनजर मुख्य बात है ट्रैफिक मैनेजमेंट जिसके लिए वह अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं। साथी पिछले साल की कावड़ यात्रा की समीक्षा भी कर रहे हैं। वार्षिक निरीक्षण पर आए एडीजी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा के कक्ष में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि जॉन स्तर पर बैठक करने के बाद अब वह पड़ोसी जिलों में जाकर अधिकारियों से मिल रहे हैं, उनसे पूर्व में कांवड़ यात्रा के दौरान हुई समस्याओं के बारे में भी जानकारी ले रहे हैं। एडीजी बीच में पड़ रहे मोहर्रम के त्यौहार को भी चैलेंज मानकर सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु अपने साथ पहचान पत्र के रूप में कोई एक दस्तावेज जरूर रखें। इससे एक तो उनकी पहचान हो सकेगी, दूसरे कावड़ यात्रा में सुरक्षा प्रभावित करने के मकसद से कोई अन्य तो नहीं घुस आया, इसकी जांच के दौरान पहचान करने में भी पुलिस को मदद मिलेगी।

जल्द ही स्वीकृत होंगे 6 नए थाने

एडीजी पीसी मीणा ने भरोसा दिया है कि मुरादाबाद जिले में थानों की संख्या बढ़ाने के लिए 6 अतिरिक्त थानों की स्थापना के संबंध में प्रस्ताव गए हुए हैं। यह जल्द ही स्वीकृत होंगे। इसमें मझोला क्षेत्र के दो थाने, सिविल लाइन में एक और थाना, अगवानपुर व कांठ के उमरी मे प्रस्तावित थाने शामिल हैं। दो सीओ के अतिरिक्त सर्किल बनाने के भी प्रस्ताव हैं।

ईरानी गैंग पर भी कसेगा शिकंजा

एडीजी ने ईरानी गैंग पर कसा शिकंजा कसने की बात कही है। इसके लिए उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा को भी निर्देश दिए हैं। एडीजी को बताया गया कि ईरानी गैंग चलो पुलिस की वर्दी में लोगों से लूटपाट करते हैं। अभी हाल ही में मुरादाबाद से 8 लाख रुपए का सोना लूट का मामला सामने आया था। फिलहाल इस मामले को एडीजी में बड़ी गंभीरता से लिया है।

नगर निगम की बोर्ड बैठक में सफाई कर्मचारियों का हंगामा, पार्षदों ने महापौर से की कार्रवाई की मांग

मुरादाबाद- स्थानीय निकाय सफाई मजदूर संघ उत्तर प्रदेश कर्मचारियों ने नगर निगम की बोर्ड बैठक में विभिन्न मांगों को लेकर जमकर हंगामा किया। सदन में भीतर प्रवेश को लेकर पुलिस से कहासुनी भी हो गई। बंद गेट बमुश्किल खुलने के बाद अंदर जाकर कर हंगामा कर रहे सफाई मजदूर संघ के कर्मचारियों को पुलिस ने समझाकर शांत कराया। साथ ही उन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी।वार्ड 48 के पार्षद सुधीर विश्नोई ने सदन में सफाई कर्मचारियों के हंगामा करने की निंदा की और सदन को खुद से चलने की बात का विरोध किया। जिस पर पर्यावरण अभियंता राजीव कुमार राठी ने विरोध किया। बता दें कि निगम के कर्मचारी बोर्ड की बैठक को छोड़कर बाहर चले गए। कुछ ही देर में निगम कर्मी ओर सफाई कर्मचारियों का हुजूम गेट खोलकर सदन में घुसा और पार्षद सुधीर विश्नोई से मौजूद कुछ लोग खींचातानी करने लगे। सदन में आधा घंटा खींचातानी का माहौल रहा। सदन की बैठक को स्थागित कर दिया गया है। साथ ही महापौर विनोद अग्रवाल से भी खींचातानी हुई। सफाई कर्मचारियों की निंदा करते हुए सदन में मौजूद पार्षदों ने महापौर से हंगामा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सदन में मौजूद कांग्रेस के पार्षद अनुपम मेहरोत्रा ने सदन में हुए हंगामे को देखकर महापौर से सदन में बैठी महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाया।

एंटी रोमियो स्क्वाड सिपाही पर गंभीर आरोप से हड़कंप, सिपाही ने कहा- आरोप झूठे

मुरादाबाद-कोचिंग संस्थान की रिसेप्शनिस्ट के नाबालिग भाई ने सिपाही पर आरोप लाकर सनसनी फैला दी है। नाबालिग ने एंटी रोमियो स्क्वाड में तैनात एक सिपाही पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने सिपाही पर यहां के एक कोचिंग संस्थान की रिसेप्शनिस्ट के साथ न्यूड हालत में पकड़े जाने का आरोप लगाया है। रिसेप्शनिस्ट के भाई का कहना है कि जब उसने अपनी बहन के साथ सिपाही को आपत्तिजनक हाल में देखकर विरोध किया तो सिपाही ने पिस्टल से उसके माथे पर वार किया। जिससे वह जख्मी हो गया। जब वो मामले की शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें धमकाकर मामले में फैसला कराने की कोशिश की गयी। पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत एसएसपी से की है। सिपाही मूल रूप से मुजफ्फरनगर जिले का रहने वाला है। यहां एंटी रोमियो स्क्वाड में तैनात है। सिपाही ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है। सिपाही का कहना है कि घटना के दिन लड़की का पिता नशे में धुत्त होकर अपनी बेटी को पीट रहा था, शोर शराब होने पर उसने बीच बचाव किया, इसलिए उस पर झूठा आरोप लगा दिया है।

नाले में डूब रहे बच्चे को पुलिसकर्मी ने बचाया, बच्चा सुरक्षित

मुरादाबाद- बुधवार सुबह लगभग 7:30 बजे थाना मझोला की ईगल मोबाइल पर तैनात मुख्य आरक्षी दुर्गेश चौकी क्षेत्र नया मुरादाबाद में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए निकल रहे थे, तभी उनको लगभग सात वर्ष के बच्चे की चीख-पुकार सुनाई दी। जो एक गहरे नाले में गिर गया था। मुख्य आरक्षी दुर्गेश द्वारा तत्काल हेड कांस्टेबल संदीप नागर को मौके पर बुलाया गया। हेड कांस्टेबल संदीप नागर द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए तत्काल नाले में उतरकर बेहोश बच्चे को नाले से बाहर निकाला गया। दोनों मुख्य आरक्षियों द्वारा बच्चों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय लोगों से वार्ता कर बच्चे की सूचना परिजनों को दी गई। वर्तमान समय में बच्चा सुरक्षित है। बच्चें के परिजनों द्वारा मुरादाबाद पुलिस का कोटि-कोटि धन्यवाद किया गया है।बतादें कि हादसा थाना मझोला इलाके के नया मुरादाबाद का है। जहां खेलत-खेलते एक बच्चा नाले में गिर गया था। बच्चे का शोर सुनकर ईगल मोबाइल पर तैनात सिपाही दुर्गेश कुमार मौके पर पहुंचे। साथी संदीप नागर द्वारा बच्चे को नाले से बाहर निकाला गया। बेहोश बच्चे को बाहर निकाल कर उसे उल्टा कर उसके पेट में नाले का भरा पानी निकाला गया। उसके बाद बच्चे को पास के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद बच्चे को कई घंटे बाद होश आया है। डॉक्टर के मुताबिक अब बच्चा पूरी तरह से खतरे से बाहर है, बच्चे के सकुशल होने पर बच्चे के परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

अफसरशाही के रौब में यातायात नियम 'धुंआ', कंडम वाहन से अधिकारी भर रहे फर्राटा

मुरादाबाद-सरकार ने एक अप्रैल 2019 को वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) अनिवार्य कर दिया। आदेश आगू कराने में ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारी प्रयास कर रहे हैं। वाहन स्वामियों के विरुद्ध कार्रवाई कर करोड़ों रुपये जुर्माना भी वसूला गया है। अप्रैल-मई में ही संभागीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) ने मंडल स्तर पर कुल 405 वाहनों का चालान इस बात पर कर दिया कि उनमें एचएसआरपी नहीं लगा था और इन वाहन स्वामियों से कुल 10.40 लाख रुपये भी वसूल किए हैं। सवाल यह है कि क्या नियम-कानून निजी वाहन स्वामियों पर ही प्रभावी होंगे? क्या सरकारी वाहनों के लिए नियम नहीं हैं। कुछ ऐसा ही नजारा बुधवार दोपहर डेढ़ बजे के दौरान कलेक्ट्रेट में देखने को मिला। यहां खड़े अधिकांश वाहनों में एचएसआरपी वाली नंबर प्लेट नहीं दिखी। वाहन नंबर से जानकारी मिली कि प्रशासन के बड़े अधिकारी तक के वाहनों में एचएसआरपी वाली नंबर प्लेट नहीं है। एसीएम-प्रथम के वाहन में पीछे नंबर प्लेट ही नहीं थी। आगे वाली नंबर प्लेट एचएसआरपी की नहीं है। मामला यहीं तक नहीं सीमित है। एडीएम प्रशासन, एडीएम सिटी, सिटी मजिस्ट्रेट से लेकर पुलिस की जिप्सी तक में न प्रदूषण अंडर कंट्रोल है और न ही हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट। एसडीएम सदर के सरकारी वाहन में भी हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट नहीं है। वैसे इन अधिकारियों के वाहन यातायात नियमों का उल्लंघन करने में उदाहरण मात्र हैं। ऐसे ही पुलिस व अन्य विभागों में काफी संख्या में वाहन अधिकारियों को ढो रहे हैं, जिनमें न फिटनेस है और न ही हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगी है। पंजीयन निरस्त, सवारी काट रहे साहब = बुधवार दोपहर के डेढ़ बज रहे थे। एक अधिकारी कलेक्ट्रेट से बाहर आकर जिप्सी (यूपी-32-एम-8847) पर सवार हो रहे थे। इस जिप्सी का फिटनेस व प्रदूषण अंडर कंट्रोल की बात दूर, पंजीयन (आरसी) तक निरस्त हो चुका है। सरकारी रिकार्ड में कंडम हो चुकी है। इस मामले में केंद्र सरकार का एक आदेश भी है जिसमें कहा गया है कि एक अप्रैल 2023 तक 15 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी सरकारी वाहन कंडम घोषित किए गए हैं। जबकि, यूपी-32-एम-8847 नंबर की जिप्सी 27 साल पुरानी है। कहने का अर्थ है कि सरकारी दस्तावेज में भले ही जिप्सी कंडम हो लेकिन, वह सड़क पर फर्राटा भर रही है। यही हाल कलेक्ट्रेट में खड़ा मिला प्राइवेट वाहन (यूपी 32-बीजी-1279) भी निर्धारित आयु 15 वर्ष पूरी कर चुका है। फिटनेस आदि की भी अवधि पूरी हो चुकी है। वैसे नियम-निर्देशों के मुताबिक, ये दोनों वाहन सड़क मार्ग पर संचालित होना निषेध है, लेकिन अधिकारियों को बराबर गंतव्य स्थलों पर ढो रहे हैं। फिटनेस में होता भारी जुर्माना सरकारी वाहनों में भी फिटनेस और पीयूसीसी अनिवार्य है। प्रमाणपत्र न होने पर पुलिस या परिवहन विभाग के अधिकारी बिना देरी के 5,000 रुपये का और प्रदूषण अंडर कंट्रोल वाला प्रमाणपत्र न होने पर 10,000 रुपये का चालान कर देते हैं। नियमों का पालन न करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से नोटिस जारी कराएंगे और फिर उन लोगों को वाहन की प्रक्रिया पूरी करने का एक सप्ताह का मौका भी देंगे।

दंपति के बीच कलह के 70 प्रतिशत से अधिक मामले पति की शराब की बुरी लत की वजह से

मुरादाबाद-दंपति के आपसी विवाद में पुरुष के नशेड़ी होने और दहेज के लेन-देन वाले सर्वाधिक मामले, पत्नियां ही पहुंच रहीं शिकायत लेकर पारिवारिक कलह के 70 प्रतिशत से अधिक मामले पति के शराब पीने की लत कारण हुए हैं। महिला थाना में पति की तरफ से दर्ज कराई जाने वाली शिकायतों की संख्या काफी कम है लेकिन, हां सर्वाधिक मामले पत्नी की तरफ से दर्ज कराए गए हैं। बुधवार दोपहर के 1.45 बजे थे। थाने के गेट पर कुछ खड़ी महिलाएं नकाब में थीं। कई युवक भी खड़े थे। महिला सिपाही इन लोगों को गेट से खदेड़ती दिखीं। थाना परिसर में दो परिवारों की आपस में बहसबाजी हो रही थी। वहीं थाने के भीतर भी कुछ महिलाएं प्रार्थना पत्र लिए कांस्टेबल से जानकारी लेती मिलीं। दोपहर के 2.30 बज गए थे। थानाध्यक्ष दीपा त्यागी अपने चैंबर में एक मामले में पति-पत्नी के विवाद को सुलझा रही थीं। परिवार के सदस्यों से पता चला कि थाने में आपसी विवाद लेकर पहुंचे नव दंपति का विवाह अभी चार-पांच महीने पहले ही हुआ है। थानाध्यक्ष दीपा त्यागी ने नव विवाहिता के ससुराल वालों को चैंबर से बाहर कर पति-पत्नी की सुनवाई शुरू की। इस दौरान उन्होंने नव विवाहिता को सीख देते हुए कहा कि विवाह के अगले दो साल तक ससुराल में सबकी सुनो। रहन-सहन, परिवेश, हाव-भाव को परखिए। फिर दो साल बाद ससुराल वाले आपकी सुनेंगे, आपका किचन पर होल्ड होगा और आप घर की मालकिन रहेंगी। थानाध्यक्ष ने बताया कि हर रोज औसतन छह-सात प्रार्थना पत्र प्राप्त होते हैं। किसी-किसी दिन एक भी प्रकरण नहीं आता है, लेकिन ऐसा बहुत ही कम होता है। दारोगा कोमल ने बताया कि महिला थाने में 70 प्रतिशत से अधिक मामले पति की गलत आदतों के कारण सामने आ रहे हैं। उनकी पत्नियां पति के शराब पीने के बाद मारपीट करने और घर से निकाले जाने की ही शिकायत लेकर आती हैं। एक दो मामले दहेज से जुड़े भी आते हैं। वादों का हाल बताने में निर्देश की जरूरत = पिछले तीन वर्षों में पति-पत्नी के विवाद वाले कितने और किस तरह की प्रवृत्ति वाले प्रकरण दर्ज किए गए हैं, उनके निस्तारण की स्थिति क्या है। इस सवाल पर थानाध्यक्ष दीपा त्यागी ने कहा वह वरिष्ठ जन से निर्देश प्राप्त करने पर ही कोई जानकारी दे सकेंगी।

बहन लापता, नहीं हो रही सुनवाई

थाने के बाहर गेट के पास नकाब में खड़ी शना ने बताया कि वह जामा मस्जिद मुहल्ले से आई हैं। उनकी छोटी बहन परवीन 13 दिन से लापता है। वह कटघर थाने में कई बार गई। जयंतीपुर पुलिस चौकी पर भी गई लेकिन, उसकी कहीं पर सुनवाई नहीं हुई है तो वह महिला थाने में आई है। उसने बताया कि प्रार्थना पत्र दिया है।थानें में पति-पत्नी के आपसी विवाद के ही मामले सामने आते हैं। इनको सुलझाने की पूरी कोशिश होती है। दोनों पक्ष के परिवार को बुलाकर उनकी काउंसिलिंग करते हैं। दूसरी बात यह भी है कि यहां समस्या लेकर आने वाले किसी के साथ कोई भेदभाव न होने पाए, इसके लिए हम खुद थाने के प्रत्येक कर्मी पर नजर रखते हैं।- दीपा त्यागी, थानाध्यक्ष-महिला थाना

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नगर पालिका परिषद की बोर्ड की बैठक नगर पालिका परिषद कार्यालय के मीटिंग हॉल में सम्पन्न हुई

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- एटा नगर पालिका परिषद की बोर्ड की बैठक नगर पालिका परिषद कार्यालय के मीटिंग हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष के अलावा वार्डों के 25 सभासदों को भी बोर्ड मीटिंग में आमंत्रित किया गया था लेकिन बोर्ड मीटिंग में दो सभासद नहीं पहुंचे क्योंकि एक सभासद के ऊपर कई धाराओं में मुकदमे लगे हुए हैं जिसके कारण वह नहीं आ सके। बता दें कि आज की बोर्ड बैठक बहुत ही गहमागहमी के साथ बहुत दिनों के बाद की जा रही थी जिसमें कुछ सभासद जो पहले भी सभासद रह चुके थे वह पुनः इस बार चुनकर आये। उन सभासदों ने बैठक में पुराने ट्रैक्टरों और पुरानी फाइलों को लेकर अधिशासी अधिकारी को घेरा। वहीं, अधिशासी अधिकारी अपनी सफाई देते हुए नजर आये। कुछ मामलों में लोग हाईकोर्ट भी गए थे जिसको लेकर भी काफी बातें हो रही थीं। बहरहाल, नगर पालिका की मीटिंग काफी समय बाद हुई है जो पिछले चेयरमैन के कार्यकाल में नही हुई बैठक में एमएलसी आशू यादव, सदर विधायक विपिन वर्मा डेविड, नगर पालिका अध्यक्ष सुधा गुप्ता के साथ उनके प्रतिनिधि पंकज गुप्ता एवं 23 सभासद भी उपस्थित रहे। वहीं, कुछ सभासदों के प्रतिनिधि भी मीटिंग हॉल में बैठे देखे गए। जिससे मीटिंग हॉल काफी घचाघच भरा हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड की बैठक से पहले मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर बैन लगा दिया गया था लेकिन बाद में मीडियाकर्मियों पर लगे बैन को हटा दिया गया। नगर पालिका परिषद आज छावनी में तब्दील लग रही थी। जबकि सत्ता के विधायक, सत्ता के सभासद, सत्ता के एमएलसी सभी मौजूद होने के बाद भी आखिर किसके डर से नगर पालिका परिषद को छावनी बना दिया गया और काफी तादात में पुलिस फोर्स मौजूद था। संभावना थी कि कहीं कोई सभासद उपद्रव न कर दे, इसके लिए इतना बड़ा फोर्स नगर पालिका में लगाया गया था। इस प्रकार की बातें कुछ लोगों की जुबान से कहती सुनी गईं। खबर लिखे जाने तक बोर्ड की बैठक चल रही थी।

गांव में सड़क नही हैण्डपम्प पेयजल को तरस रहे ग्रामीण लगाया वादा खिलाफी का आरोप

डीएम और सीडीओ को बुलाने की मांग सड़क ने लिया विकराल रूप

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- देश व प्रदेश भर में भाजपा सरकार के मुखिया और उन्के नुमाइंदे भाजपा सरकार का खूब बखान कर रहे है वहीं मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर उनकी योजनाओं का भी खूब प्रचार प्रसार और बता रहे हैं। वहीं एटा के जलेसर क्षेत्र से एक ऐसी खबर आ रही हैं वो सरकार पर सवालियाँ निशान खडें कर रही हैं। एटा के जलेसर तहसील क्षेत्र के गांव शाहनगर टिमरूआ पंचायत के मजरा गांव टिपिरिया गांव में सड़क बिजली हैण्डपम्प तालाब नाली कच्ची सड़कों के दलदल मार्ग से परेशान गांव वालें व विधवा पेन्शन को बुजुर्ग महिला और व गांव के बाशिंदे पानी को परेशान हैं। जब सी न्यूज भारत की टीम ने गांव की पूरी हकीकत जानने निकली तो समस्या ने गंभीर और विकराल रूप ले लिया था। गांव के ही पीडित दीपक यादव व कैलाश यादव ने सी न्यूज भारत के कैमरें पर आकर गांव के प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी मुजम्मिल खाँ की पोल खोल दी गांव के प्रधान के पति सुभाष यादव पर उन्होंने 15 हजार रूपयें के जूते पहनने के आरोप लगा दिए वहीं 20 लाख रूपयें की गाड़ी में घूमनें तक का आरोप लगा दिया जब उनसे पूछा गांव में विकास नही हुआ पैसा कहाँ से आ गया प्रधान पर गांव के लोगों ने बताया कि जनता की गाड़ी कमाई का आरोप लगा दिया। दीपक यादव ने एटा के मुख्य विकास अधिकारी व जिला अधिकारी से गांव के निरीक्षण करने की अपील की हैं। उन्होंने कहाँ दोनों अधिकारी गांव में आयें और समस्या को देखें गांव के प्रधान सेक्रेटरी की जांच कर दोषी पायें जानें पर कार्यवाही करें गांव में सड़क पर मोटरसाइकिल व पढ़ने लिखने वाले बच्चे कीचड में गिर रहे हैं ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हैं।

नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख की ठगी, निलंबित लिपिक गिरफ्तार

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

दतिमा मोड़- महिला बाल विकास में कम्प्यूटर आपरेटर के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख रूपए की धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को करंजी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार सोहागपुर के रहने वाले सिफल सिंह ने बीते दिनों रिपोर्ट दर्ज कराया की मेरे से दो वर्ष पहले मेरी पुत्री सरोज सिंह को महिला बाल विकास नौकरी लगाने के नाम पर महिला बाल विकास विभाग में निलंबित लिपिक सिलफिली निवासी लोहरा राम मरावी ने 3 लाख की ठगी की है। आरोपी के द्वारा कहा गया कि तुम्हारे बेटी सरोज सिंह का मैं नौकरी लगा दूंगा और मोबाइल नंबर लिया कुछ दिन बाद फोन कर बोला कि अपना बायोडाटा मुझे दे दो। नौकरी का वैकेंसी निकला है। दो अलग-अलग बार डेढ़-डेढ़ लाख रुपए लिया। प्राथी सिफल सिंह ने उसके झांसे में आ गया और 2 बार भुगतान किया। नौकरी नहीं लगने के बाद पैसा वापस नहीं करने पर सिफल सिंह ने लोहरा राम मरावी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने भादवि की धारा 420 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। पुलिस ने आरोपित को उसके घर सिलफिली से गिरफ्तार आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया तो आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर पैसा लेना बताया जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपियों को गिरफ्तार करने एवं विवेचना कार्रवाई में चौकी प्रभारी संजय गोस्वामी सहित एएसआई गुड्डू कुशवाहा प्रधान आरक्षक उमाशंकर कुशवाहा, सुनील भारती, राजकुमार सिंह आरक्षक जितेंद्र सिंह, भोला केरकेट्टा व चौकी स्टॉफ का योगदान रहा।

कैंप में 30 तक आधार कार्ड करा सकते हैं अपडेट

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- जिला प्रशासन ने कलक्ट्रेट परिसर स्थित ई-गवर्नेंस सेल में आधार अपडेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है। डीएम अंकित कुमार अग्रवाल ने बुधवार अपरान्ह में कैंप का फीता काटकर शुभारंभ किया है।डीएम ने जिला सूचना विज्ञान अधिकारी संजय कुमार से 21 जून से लेकर 30 जून तक आयोजित होने वाले कैंप के संबंध में जानकारी ली। डीएम ने कहा कि शासन के निर्देश पर 21 से 30 जून तक प्रात 09 बजे से सांय 06 बजे तक कलक्ट्रेट परिसर स्थित ई-गवर्नेंस सेल में शिविर का आयोजन हो रहा है। कैम्प में यूआईडीएआई के निर्धारित शुल्क तहत नये आधार कार्ड, आधार कार्ड में मोबाइल नम्बर, बायोमैट्रिक, डेमोग्राफिक डाटा अपडेट सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इच्छुक आधार कार्ड धारक अपने साथ आवश्यक नवीनतम दस्तावेज मूल निवास, जन्म प्रमाण पत्र, वोटर आईडी अवश्य साथ लेकर आए। एडीएम वित्त एवं राजस्व आयुष चौधरी ने कार्यलयाध्यक्षों को निर्देशित किया वह अपने कार्यालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को बता दें जिनके अपना आधार कार्ड पिछले 10 वर्षों में अपडेट नहीं कराया गया है। उन्हें अपना विवरण आधार कैंप के किसी भी दिवस में जाकर अपडेट करा सकते हैं। इस मौके पर डीआईओ एनआईसी संजय कुमार, डीसी मनरेगा प्रभूदयाल, डीएसटीओ प्रदीप कुमार, ईडीएम अविरल तिवारी, स्वरूप पण्डा मौजूद रहे।

चेतन हत्याकांड में पुलिस निकलवा रही सीडीआर

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- चेतन हत्याकांड में पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस सीडीआर भी निकलवा रही है। इससे पुलिस को अहम सबूत मिल सकते है। मामले में चौंकाने वाला खुलासा हो सकता है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। अभी तक आरोपी पकड़ में नहीं आ सका है। बता दें कि दो दिन पहले थाना जैथरा के मोहल्ला शास्त्रीनगर निवासी चेतन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

मामले में भाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी की गिरफ्तारी न होने को लेकर ग्रामीणों ने शव रखकर जाम लगाया था। इसमें डेढ़ सौ ग्रामीणों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज हुई थी। घरवालों ने मांग की है कि आरोपी की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हो। जैथरा पुलिस मामले में कई पहलुओं को लेकर जांच कर रही है। सीडीआर के जरिए भी सबूत जुटा रहे है। फिलहाल जिस पर आरोप है वह आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर है।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

स्वास्थ्य शिविर एवं आयुष्मान कार्ड शिविर महुली

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर जिले के दुर अंचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर के ग्राम पंचायत महुली में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं आयुष्मान कार्ड शिविर आयोजन किया गया जिसमें महुली कोल्हुआ खोहीर रामगढ़ उमझर रसोकी बैजनपाठ लुल कछवारी जुड़वनिया चोगा करौटी ए बैजनपाठ सहित आसपास के ग्रामीणों के जांच कराकर दवा लिए और अपना आयुष्मान कार्ड बनवाए

शिविर में 30 ग्रामीण का एव स्वास्थ शिविर में 87 जांच कर दवा वितरण किया गया

रोजगार मेले में 52 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

निशाकांत शर्मा -क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय, एटा द्वारा विधान सभा जलेसर के अन्तर्गत आज दिनांक - 22.06.2023 को कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, जलेसर परिसर में सम्पन्न रोजगार मेले में 77 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनमें से 52 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न कम्पनियों द्वारा किया गया। रोजगार मेले में 3 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। रमाया हैल्थ केयर कम्पनी में 30 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया और 19 अभ्यर्थियों का चयन कम्पनी द्वारा किया गया, विजन इण्डिया सर्विसेज प्रा0लि0 कम्पनी में 17 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया और 15 अभ्यर्थियों का चयन कम्पनी द्वारा किया गया एवं पीपल ट्री ऑनलाइन कम्पनी में 30 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया और 18 अभ्यर्थियों का चयन कम्पनी द्वारा किया गया।

03 पेटी अवैध शराब के साथ बेतालघाट पुलिस टीम ने 02 शराब तस्करों को किया गिरफ्तार

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

नैनीताल- पंकज भट्ट वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा जनपद में चलाए जा रहे नशा मुक्त उत्तराखंड मिशन 2023 के तहत नितिन लोहनी क्षेत्राधिकारी भवाली के पर्यवेक्षण में मनोज नयाल थानाध्यक्ष बेतालघाटके नेतृत्व में थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम के द्वारा दिनांक 21.06.2023 को चैकिंग के दौरान उ0नि0 गौरव जोशी मय हमराही कर्म गणों के अवैध शराब तस्करी /वाहन चैकिंग के टैक्सी बुलेरो वाहन सं. च04 ञ 9299 चालक किशोर गोस्वामी पुत्र बची नाथ नि. डाबर जोशीखोला बेतालघाट व
हरीश गिरी पुत्र बचगिरी नि. तल्ली सेठी बेतालघाट नैनीताल जो परचून के सामान के साथ 03 पेटी देशी अवैध शराब गुलाब मार्का परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उपरोक्त के विरुद्ध थाना

बेतालघाट में मु.एफआईआर. सं. 10/2023 धारा 60/69(क्र)/72 आब. अधि. के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया

जल जीवन मिशन के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन दिया

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

हल्द्वानी-जल जीवन मिशन के अंतर्गत हो रहे कार्यों की अनियमितता एवं धीमी गति से चल रहे विकास कार्य के विरोध में ग्राम प्रधान रमेश चंद्र जोशी एवं ग्राम प्रधान रामलाल ने एक ज्ञापन जल जीवन मिशन के अधिशासी अभियंता नंदकिशोर को दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में ठेकेदारों द्वारा हो रहे विकास कार्यों में अनियमितता पाई जा रही है ग्राम पंचायत के अंदर सभी पक्की सड़कें टूट जाने के बाद भी रिपेयर का कार्य बंद है, टाइल वाली सड़क पूरी क्षति ग्रस्त है ,पुराने पाइप लाइन क्षतिग्रस्त है ,पाइप लाइन पड़ने के कारण जगह-जगह पुलिया एवं सिंचाई नहर टूटी हुई है जिसका रिपेयर का कार्य भी नहीं हो पा रहा है मशीन द्वारा जो सड़कें खोदी गई है उनमें जगह-जगह गड्ढे हो रहे हैं और बारिश का पानी उनमें रुका हुआ है जिसका भरान का कार्य भी सही तरीके से नहीं हो पा रहा है इन तमाम मुद्दों को लेकर बरसात को मध्य नजर रखते हुए ग्राम प्रधानों ने अधिशासी अभियंता को समस्याओं से अवगत कराया और भविष्य में जगह-जगह जलभराव होने से मलेरिया डेंगू जैसी बीमारी पैदा ना हो जाए इसका भी भय बना हुआ है।।

सांसद अरोड़ा ने बैंक रिटायरीज की पेंशन में संशोधन के लिए वित्त मंत्री सीतारमण को लिखा पत्र

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - लुधियाना-लुधियाना से क्आप% सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा ने ऑल इंडिया बैंक रिटायरीज फेडरेशन (एआईबीआरएफ) की नॉर्थ स्टेट्स बैंक रिटायरीज फेडरेशन, लुधियाना यूनिट से प्राप्त मेमोरेंडम के पश्चात केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैंक रिटायरीज की पेंशन में संशोधन का मुद्दा उठाया है। अरोड़ा ने वित्त मंत्री सीतारमण को लिखे पत्र में कहा है कि वह उनका ध्यान एक महत्वपूर्ण मामले की ओर दिलाना चाहते हैं, जिस पर उन्हें तत्काल ध्यान देने और विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने वित्त मंत्री को बताया कि हाल ही में, उन्हें नॉर्थ स्टेट्स बैंक रिटायरीज फेडरेशन ऑफ एआईबीआरएफ, लुधियाना यूनिट से एक ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिस में पेंशन के संशोधन के संबंध में उनकी चिंताओं और शिकायतों पर प्रकाश डाला गया है। अपने ज्ञापन में, एआईबीआरएफ लुधियाना इकाई ने सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों के लिए पेंशन में संशोधन की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कई मुद्दों पर प्रकाश डाला है

जिनका वर्तमान में सेवानिवृत्त लोगों को सामना करना पड़ रहा है, जिसमें जीवन यापन की बढ़ती लागत, चिकित्सा व्यय और अपर्याप्त पेंशन राशि के कारण वित्तीय कठिनाइयां शामिल हैं। ये सेवानिवृत्त लोग, जिन्होंने अपना पूरा पेशेवर जीवन बैंकिंग क्षेत्र को समर्पित कर दिया है, उनके लिए अपने वर्तमान पेंशन भुगतान के साथ गुजारा करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसके अलावा, अरोड़ा ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि वह समझते हैं कि वित्त मंत्रालय विभिन्न क्षेत्रों में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिंताओं को दूर करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। हालांकि, उन्होंने वित्त मंत्री से एआईबीआरएफ लुधियाना इकाई द्वारा उठाए गए मुद्दे को प्राथमिकता देने और सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों के लिए पेंशन राशि को संशोधित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

जमुना प्रसाद मेमोरियल कॉलेज के बीएससी कृषि विज्ञान ऑनर्स द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा

शेर सिंह
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-जमुना प्रसाद मेमोरियल कॉलेज के बीएससी कृषि विज्ञान ऑनर्स द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा और सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होकर विश्वविद्यालय परीक्षा मे महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया संस्थान के निदेशक डॉ मनोज कांडपाल के अनुसार विश्वविद्यालय की परीक्षा में बीएससी कृषि ऑनर्स द्वितीय सेमेस्टर के छात्र रंजीत सिंह ने एसजीपीए 8.24 प्राप्त कर प्रथम स्थान निधि गंगवार एसजीपीए 8.15 द्वितीय स्थान और अजय कुमार ने 8.14 एसपीपीए लाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया डॉ कांडपाल ने यह भी बताया की तैयारी हेतु विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक एवम फील्ड वर्क हेतु प्रोत्साहित किया एवं रोजाना फील्ड वर्क और डेमोंसट्रेशन के लिए भेजा जाता था

और विभाग के शिक्षकों द्वारा उनका अवलोकन भी किया जाता था जिससे विद्यार्थियों में लगातार अच्छा करने की प्रेरणा मिली और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिली सभी विद्यार्थी उपरोक्त क्रियाकलापों को एक टास्क मानकर पूरा करते थे जिसकी वजह से सभी छात्र छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए जो महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है जमुना प्रसाद मेमोरियल कॉलेज बरेली के छात्र छात्राओं ने विश्वविद्यालय परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए जिसके लिए महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी विद्यार्थियों विभाग के शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक सहयोग हेतु आभार जताया और साथ साथ विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना प्रेषित की गई

सभी विद्यार्थियों को महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा उपरोक्त स्वर्णिम उपलब्धि के लिए संस्थान के चेयरमैन श्री योगेश पटेल, एमडी आर्कि वैभव पटेल , निर्देशक डॉ मनोज कांडपाल , एकेडमिक एडवाइजर प्रो पुष्पेंद्र, विभाग सुनील कुमार एवम विभागीय शिक्षकों द्वारा बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं प्रेषित की गई

फर्जी एसडीएम को छोड़ना खैर थाना पुलिस को पड़ा भारी, बैठी जांच, एसएसपी ने मांगी जांच रिपोर्ट

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़-अलीगढ़ खैर तहसील के समाधान दिवस में चार दिन पहले फर्जी एसडीएम पकड़े जाने के मामले में थाना पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस ने पहले तो अधिकारियों के निर्देश के बावजूद मुकदमा दर्ज करने में देरी की और बाद में उसे नोटिस थमा कर थाने से ही छोड़ दिया।

इसे लेकर एसएसपी ने एसपी देहात को जांच सौंपी है। खुद एसएसपी कलानिधि नैथानी ने इस बात का संज्ञान लिया कि जब पहले दिन फर्जी एसडीएम बनकर आया युवक पकड़ा गया।

उसी दिन अधिकारियों ने मुकदमे के निर्देश दे दिए थे और मीडिया को भी जानकारी दे दी थी। बावजूद इसके अगले दिन थाना पुलिस ने उसका बिना मुकदमा दर्ज किए शांति भंग में चालान किया। जब उसे एसडीएम के समक्ष पेश किया तो वहां उसका रिमांड नहीं लिया गया और मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा। इसके बाद मुकदमा तो पुलिस ने दर्ज कर लिया। मगर तीसरे दिन उसे जेल भेजने के बाद विवेचना में सहयोग करने का नोटिस देकर छोड़ दिया गया। इस प्रकरण को एसएसपी ने गंभीरता से लेते हुए थाना पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़ा किया है। पूरे मामले में एसपी देहात को जांच सौंपते हुए उनसे रिपोर्ट तलब की है। उस रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई तय की जाएगी।

गोवशों को बेहोशी का इंजेक्शन लगाते एक को पकड़ा दो मौके से भागे

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़-- अकराबाद - गोपी विजयगढ़ मार्ग पर गांव कनकपुर के निकट उस समय हंगामा हो गया जब जंगल में चर रहे निराश्रित गोवशों को कुछ लोगों के द्वारा बेहोशी का इंजेक्शन लगाते देख ग्रामीणों ने उन्हें दौड़ा लिया। ग्रामीणों ने एक युवक को दवोच लिया व दो लोग किसी तरह मौके से भाग जाने में कामयाब हो गये।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों ने पकड़े गये युवक को पुलिस को सोंप दिया है। चांदपुर गोपी के प्रधान भानुप्रकाश उपाध्याय ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि वह अपने भट्टे पर थे। देखा कि उनके भट्टे के सामने खाली खेत में चर रहे निराश्रित गोवंशों को कुछ लोग दौड़ा-दौड़ा कर इंजेक्शन लगा रहे थे। जिससे गोवंश मौके पर ही बेहोश होकर गिर रहे थे। यह देख उन्होंने शोर मचाया तो आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर आ गए। यह देख इंजेक्शन लगा रहे लोग भागने लगे।उन्होंने ग्रामीणों के सहयोग से एक युवक को दवोच लिया। मामले के संबंध में थाना प्रभारी एमपीसिंह ने बताया है कि पकड़े गये युवक ने पूछताछ में अपना नाम अकील पुत्र शब्बीर निवासी अकबरपुर कोतवाली देहात बुलंदशहर बताया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज कर लिया है।और भागे हुये लोगों के बारे में जानकारी कर रही है। वहीं मौके पर पहुंचे भाजपा नेताओं मनोजसिंह जादोंन प्रधान,भोले ठाकुर,लवकुशसिंह पुंढीर, व प्रेमपालसिंह बघेल प्रधान ने पशुपालन विभाग के कर्मचारियों को बुलाकर गोवशों का उपचार कराया हैं।उन्हौंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई करने की मांग की है।

पुलिस टीम को मिली बड़ी सफलता लाखों की यारसा गम्बू (कीड़ा जड़ी) बरामद कर 02 तस्करों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

हल्द्वानी- पंकज भट्ट वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल जनपद के समस्त अधीनस्थ अधिकारियों, थाना प्रभारियों/एस.ओ.जी. नैनीताल को अवैध तस्करी करने वालों को गिरफ्तार किए जाने हेतु सख्त दिशा निर्देश दिए गए। हरबंस सिंह एसपी सिटी हल्द्वानी भूपेंद्र सिंह धोनी क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी के सफल पर्यवेक्षण* में हरेंद्र चौधरी प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी के नेतृत्व में अवैध तस्करी करने वालों की धरपकड़ करने हेतु थाना स्तर पर टीम गठित की गई। थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम महिला उप निरीक्षक मंजू ज्याला के द्वारा मय पुलिस टीम के क्षेत्र में शांति व्यवस्था/ कानून व्यवस्था/ यातायात व्यवस्था तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम करने हेतु चेकिंग के दौरान अभियुक्त सुबोध कुमार पुत्र स्वर्गीय रोशनलाल हाल निवासी पलटन बाजार देहरादून 24 वर्ष स्थाई निवासी ग्राम गढ़ हिम्मत सिंह थाना दोवा जिला दोवा राजस्थान, के कब्जे से क्रमश: 624 ग्राम यारसा गम्बू (कीड़ा जड़ी) तथा अभियुक्त भूपेश सिंह कोरंगा पुत्र दलीप सिंह कोरंगा निवासी बासे सुमगढ थाना कपकोट बागेश्वर उम्र-36 के कब्जे से क्रमश: 158 ग्राम यारसा गम्बू (कीड़ा जड़ी) बरामद कर न्यू हल्द्वानी क्लब काठगोदाम की ओर नैनीताल रोड़ से गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध कोतवाली हल्द्वानी में मुकदमा अपराध संख्या 322/23 धारा 26 वन अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा गया उक्त कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

टीमों का गठन कर व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

नैनीताल- दिनांक 18 जून 2023 को उच्च न्यायालय द्वारा नैनीताल नगर में स्वच्छता अभियान के दौरान निकाली गई रैली के दौरान जिलाधिकारी को दिए गए निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा नैनीताल नगर में टीमों का गठन किया गया

तथा नालियों हेतु व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया, जिसमें अब तक 06 ट्रक से अधिक मलवा और कचरा निकाला गया है नगरपालिका की टीम 2 पालियों में लगातार सफाई अभियान चला रही है। सरोवर नगरी नैनीताल में मानसून के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा उपजिलाधिकारी व नगरपालिका को व्यापक सफाई अभियान चलाकर नालियां व नालो की सफाई के निर्देश दिए गए थे । जिस पर उपजिलाधिकारी नैनीताल राहुल शाह द्वारा स्वयं मॉनिटर कर नगरपालिका की सफाई कराई गई। इस हेतु टीम द्वारा पिछले 3 दिन से लगातार वृहद सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

सफाई अभियान में 6 ट्रक से अधिक मलवा और कचरा नालियों से निकाला गया। उप जिलाधिकारी नैनीताल ने बताया कि नगरपालिका की टीम द्वारा 2 पालियों में अभियान को लगातार चलाया जा रहा है।

चोरों ने नकब लगाकर कमरे में रखा संदूक का ताला तोड़कर एक लाख नगद माल जेवर ले उड़े

शेर सिंह -क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली-भुता। थाना क्षेत्र के ग्राम अहि रोला में पिछली रात एक किसान के मकान में पीछे से दीवार में चोरों ने नकब लगाकर कमरे में रखा संदूक का ताला तोड़कर एक लाख नगद माल जेवर सहित लाखों रुपए की चोर चोरी करने में सफल रहे हैं। गृह स्वामी ने मामले की तहरीर देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। ग्राम अहिरोला निवासी किसान दामोदर सिंह बताया कि हम लोग सब गर्मी के कारण बाहर में सो रहे थे। बुधवार रात्रि में किसी समय मकान की दीवार में पीछे से चोरों ने नकब लगाकर कमरे में में रखा संदूक में का ताला तोड़कर उसमें रखें रक लाख नगद तथा सोने की दो चेन ,दो जोड़ी कुंडल ,चार अंगूठी ,एक जोड़ झुमकी, व सोने के दो हार तथा कीमती कपड़े चोर चुरा ले गए । किसान ने जब सुबह कमरे को खोल कर देखा संदूक का ताला टूटा पड़ा था। सामान सब बिखरा पड़ा देखकर दंग रह गया। परिजनों के शोर मचाने को तभी आसपास के ग्रामीण भी एकत्र हो गए देखने वालों की भीड़ लग गई। इधर पुलिस को सूचना दी गई ।सूचना पर पहुंची थाना भुता की पुलिस जांच पड़ताल कर इधर-उधर जंगल में कांबिंग भी की। लेकिन कोई चोर पकड़ में नहीं आया। तभी किसान दामोदर ने एक तहरीर देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच चोरों की तलाश कर रही है। इधर क्षेत्र में चोर का भारी आतंक हो गया है। भुता कस्बे में 3 दिन पहले पप्पू राठौर के कबाड़ी की दुकान में चौकीदार को बंधक बनाकर एलमुनियम, तामा ,बैटरी आदि लाखों रुपए का सामान भी बदमाश पिकअप में भरकर ले गए। उसी दिन ग्राम बुधौली में भी दिनदहाड़े एक के मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए का चोर सामान समेट ले गए थे। पुलिस अभी तक लुटेरे बदमाशों व चोरों को पकड़ने में नाकाम रही है। ग्रामों में लगातार चोरियों हो रही है। जिससे चोरों के आतंक से ग्रामीण भारी परेशान हैं ।इसको लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों स्थानीय पुलिस के प्रति भारी नाराजगी है। इधर जागरूक ग्रामीण इसकी शिकायत बरेली के व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से एक शिकायती पत्र भेजकर शीघ्र चोरियों का खुलासा करने की मांग करेंगे।

केलनपुर में रोटावेटर की चपेट में आने से महिला की दर्दनाक मौत

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद - कोतवाली क्षेत्र के गांव केलनपुर में सुबह ट्रैक्टर के पीछे चल रहे रोटावेटर की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। गांव केलनपुर निवासी प्रेमवीर अपने खेत में ट्रैक्टर द्वारा रोटावेटर चला रहा था। तभी उसने पत्नी मंजेश से रोटावेटर पर बैठने के लिए कहा ।पत्नी अभी पूरी तरह से बैठ भी नहीं पाई थी कि ट्रैक्टर चल गया और इसी दौरान महिला मंजेश का पैर रोटावेटर में फंसने से वह पूरी तरह रोटावेटर में चली गई।मंजेश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मंजेश ने अपने पीछे एक लड़का अन्नू व बेटियां यशवंती व नवीवा एवं पति प्रेमवीर को रोते विलखते छोड़ा है।मामले के संबंध में थाना प्रभारी एमपीसिंह का कहना है घटना उनके संज्ञान में नहीं है।

मोबाइल चोरी के आरोपित को पुलिस ने भेजा जेल

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ अकराबाद = कोतवाली पुलिस द्वारा बाछिंत अपराधियों की गिरफ्तारी व अपराध की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाल एमपीसिंह ने बताया है कि क्षेत्राधिकारी बरला सर्जना सिंह के निर्देशन में बीते दिनों पनेठी के निकट से हुई मोबाइल चोरी के आरोप में बाछिंत लाखन पुत्र बीरपाल उर्फ तंतानी निवासी गांव खानगढ़ी थाना महुआखेड़ा को गांव खानगढ़ी के निकट से पुलिस ने पकड़कर जेल भेजा है। पकड़ने वाली टीम में एसआई इजहार अहमद,प्रवीन कुमार, प्रदीप कुमार, शिवकांत आदि थे।

फर्जी वेबसाइट पर नीट का रिजल्ट दिखा कर मेजर एसडी सिंह कॉलेज की छात्रा के पिता से लाखों की ठगी

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद में ऑनलाइन ठगी करने वालों ने अब फर्जी सरकारी वेबसाइट बनाकर लोगों को लूटना शुरू कर दिया है थाना मऊ दरवाजा के नाला बघार स्थित मेजर एसडी सिंह मेडिकल कॉलेज रेजिडेंस स्टाफ प्लेस में रहने वाले शिक्षक सुरेश सिंह ने लाखों की ठगी करने वालों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है जनपद अमरोहा के जेपी नगर पीरगढ़ के मूलनिवासी सुरेश सिंह की पुत्री आकांक्षा अक्टूबर 2022 से रेजिडेंस स्टाफ में रहकर मेडिकल परीक्षा नीट की तैयारी कर रही है 1 फरवरी 23 को सुरेश सिंह के फोन को फोन करने वाली युवती ने सौम्या ने एनटीए से संबंधित बताते हुए कहा कि आपकी बेटी आकांक्षा मेडिकल की मेधावी छात्रा है सरकार ने पिछड़े वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए मेरिट का लाभ अलग से देकर सरकारी मेडिकल कॉलेज में स्पेशल कोटे से एडमिशन का प्रावधान किया है यदि आप लाभ चाहते हैं तो मैं अपने सीनियर विनीत जोशी से बात कर एडमिशन करा सकती हूं 20 मार्च को सौम्या ने पुन उसी नंबर से सुरेश सिंह को व्हाट्सएप कॉल कर बताया कि मैंने विनीत सर से बात कर ली है सुरेश सिंह को विनीत का फोन नंबर दिया गया उसी दिन विनीत ने व्हाट्सएप कॉल करके सुरेश सिंह को बताया की एडमिशन में 25 लाख का खर्चा आएगा मैसेज भेजकर आकांक्षा के नीट एग्जाम रजिस्ट्रेशन की डिटेल मांगी गई विनीत के द्वारा सुरेश सिंह से कहा गया कि एडमिशन चालू है जल्द ही रुपयों का इंतजाम करो 25 मई को विनीत ने सुरेश सिंह को व्हाट्सएप पर वेबसाइट के लिंक के मैसेज के साथ ही यूजरनेम और पासवर्ड भेजकर कहां गया कि ऑनलाइन रिजल्ट चेक कर लो सुरेश ने अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन चेक किया वह बेटी आकांक्षा का वेबसाइट पर एडमिशन देखकर खुश हो गए सुरेश सिंह ने विनीत से फोन कर पार्ट पेमेंट करने को कहा विनीत ने कहा कि पहले 11लाख दे दो और बाकी 14 लाख रुपए बाद में देना 3 जून को मेरा आदमी फर्रुखाबाद आएगा वह ओरिजिनल रिजल्ट दिखाएगा और एडमिशन की पूरी प्रक्रिया कर लेगा तय तारीख पर एक व्यक्ति सुरेश सिंह से मिला जिसने सुरेश सिंह से एडमिशन रजिस्ट्रेशन के लिए सवा लाख रुपए नगद लिए वायदे के मुताबिक सुरेश सिंह ने विनीत जोशी द्वारा बताए गए खातों में 11.11 लाख रुपये का ट्रांसफर करा दिये। विनीत सिंह ने 13 जून को ऑनलाइन रिजल्ट देखा तो उसमें आकांक्षा का नाम न देखकर सदमे में आ गए उन्होंने विनीत व सौम्या को फोन किया लेकिन दोनों के फोन बंद थे सुरेश सिंह ने दर्ज रिपोर्ट में कहां है कि मेरी जीवन की जमा पूंजी ठगली गई है। रिजिडेंस में ठहरे पीड़ित शिक्षक सुरेश सिंह ने एफबीडी न्यूज़ को बताया कि वह अपने जिले के जूनियर हाई स्कूल में टीचर है

इलाज़ न मिलने के कारण एक घंटे में 2 मासूमों ने तोड़ा दम अस्पताल में मचा हड़कंप.जाँच टीम गठित

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद महिला अस्पताल के ष्टरूस्ट डॉ. कैलाश दुल्हानी योगी सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे है।महिला अस्पताल के ष्टरूस्ट डॉ. कैलाश दुल्हानी के चंद कदमों की दूरी न तय करना दो मासूमों की मौत की वजह बन गया।जिला अस्पताल लोहिया में एक घंटे के अंदर दो मासूमों ने अपनी मां की गोद में इलाज न मिलने के चलते तड़प तड़प के दम तोड़ दिया।मामले पर सीएमएस महिला डॉ. कैलाश दुलहानी ने बताया कि वह अपनी महिला इमरजेंसी में स्टाफ नर्सों के साथ प्रसव करा रहे थे जांच समिति की रिपोर्ट में डॉ कैलाश दुल्हानी के फंसने पर बचाने के लिए सीएमओ ने भी मोर्चा संभाल लिया है।जिला प्रशासन के चहेते डॉक्टर कैलाश दुल्हानी को बचाने के लिए सीएमओ समेत आला अधिकारी ने भी एड़ी से लेकर चोटी का जोर लगाना शुरू कर दिया है देर रात मोहल्ला अंडियाना निवासी पूनम अपने 8 माह के बेटे कृष्णा को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत पर जिला अस्पताल लेकर आई करीब 1 से डेढ़ घंटे भटकने के बाद इमरजेंसी से फाइल बनाकर पीकू भेजी गई पीकू वार्ड में प्रभारी डॉक्टर के न होने पर आकस्मिक चिकित्सक के तौर पर तैनात महिला ष्टरूस्ट डॉ.कैलाश दुल्हानी के पास कॉल रजिस्टर लेकर वार्ड बॉय गया।

लेकिन महिला सीएमएस के घर का दरवाजा भी नहीं खुला व उनका फोन भी नहीं लगा इसी भागदौड़ में करीब 10ः30 मासूम कृष्णा ने इलाज के अभाव में दम तोड़ दियापूनम की 7 साल पहले शादी हुई थी और कृष्णा उनका इकलौता पुत्र था।वहीं दूसरी तरफ करीब 10ः25 पर नेकपुर चौरासी काली तलैया निवासी शिवार्थी अपनी 4 माह की बेटी खुशी को लेकर जिला अस्पताल पहुंची।पीकू वार्ड में नर्स के द्वारा उपचार किया गया लेकिन बच्ची की हालत गंभीर थी आकस्मिक चिकित्सक डॉ. कैलाश दुल्हानी नहीं पहुंचे और मासूम भी मौत के गाल में समा गई।घंटे भर के अंदर जिला अस्पताल में दो मासूमों की मौत होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया डीएम के निर्देश पर एसीएमओ सर्वेश यादव के नेतृत्व में 4 सदस्य जांच कमेटी बनाई गई।जांच कमेटी की रिपोर्ट में महिला अस्पताल ष्टरूस्ट के फसने पर खुद ष्टरूस्ट डॉ. अवनींद्र कुमार ने बचाने का मोर्चा संभाल नई टीम बना दी पूरा मामला थाना कादरीगेट के क्षेत्र के आवास विकास से डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल का है।

जो लोग उर्दू सीखना चाहते हैं उनके लिए उर्दू पाठ्यक्रम का अगला सत्र 3 जुलाई 2023 से शुरू होगा: जिला भाषा अधिकारी

सत पाल सोनी- क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - पंजाब सरकार का भाषा विभाग पंजाबी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न प्रयास कर रहा है, साथ ही अन्य भाषाओं के शास्त्रीय साहित्य के पंजाबी अनुवाद के माध्यम से पंजाबी पाठकों को विश्व साहित्य से भी जोड़ रहा है। भाषा विभाग द्वारा पंजाब में साहित्यिक एवं कार्यालयीन आवश्यकताओं के लिए उर्दू भाषा के ज्ञान के महत्व पर विचार करते हुए ला कार्यालय में उर्दू शिक्षा की व्यवस्था की गयी है।हर साल की तरह, विभाग उन लोगों के लिए उर्दू पाठ्यक्रम का अगला सत्र 3 जुलाई 2023 से शुरू कर रहा है जो उर्दू सीखना चाहते हैं। इस पाठ्यक्रम की कक्षाएं कार्यालय, जिला भाषा अधिकारी, (पंजाबी भवन) लुधियाना में आयोजित की जाएंगी। जिला भाषा अधिकारी, लुधियाना डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि यह उर्दू पाठ्यक्रम बिल्कुल मुफ्त संचालित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि 6 महीने हैं । इस कोर्स में किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति दाखिला ले सकता है। उर्दू सीखने के इच्छुक उम्मीदवार इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश पत्र जिला भाषा अधिकारी, लुधियाना (पंजाबी भवन) के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस पर निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन स्वयं सहायता समूहों के लिए कार्यशाला आयोजित

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - पूरे लुधियाना में संचालित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की आय बढ़ाने के उद्देश्य से, जिला प्रशासन ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) में एक कार्यशाला का आयोजन किया ताकि उन्हें अपने उत्पादों के बेहतर विपणन में मदद मिल सके। कार्यशाला का उद्घाटन पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल और अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) संदीप कुमार ने किया। एसएचजी के लगभग 50 प्रतिनिधियों ने पीएयू में सक्रिय रूप से भाग लिया और ई-कॉमर्स, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और लेबलिंग सहित नई मार्केटिंग रणनीतियों के

बारे में सीखा। एडीसी ने कहा कि अधिकांश एसएचजी अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन उनके उत्पादों के लिए विभणन की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। इसलिए हमने उन्हें विभणन सुविधाओं के बारे में मार्गदर्शन देकर आय बढ़ाने के उनके प्रयासों को पूरा करने का निर्णय लिया। कुमार ने कहा कि एसएचजी महिलाओं और उनके परिवारों के जीवन को बदल रहे हैं। वे नए उद्यम शुरू करने की पहल करके ग्रामीण लड़कियों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन उन्हें पूरा सहयोग देगा। पीएयू के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल ने यह भी कहा कि एसएचजी भी विश्वविद्यालय का दौरा कर सकते हैं और अपने उत्पादों के बेहतर प्रचार और व्यापक पहुंच के लिए बिजनेस स्कूल के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन ले सकते हैं।

भाजपा शिवपुरी मंडल के प्रधान अशोक राणा ने युवाओं को वालीबॉल की किट

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - योग दिवस के मौके पर भाजपा शिवपूरी मंडल के प्रधान अशोक राणा द्वारा शिवपुरी मंडल के वार्ड न. 87 में नानक नगर इलाक़े के युवा खिलाड़ियों को वॉलीबॉल की किट प्रदान की गई। मंडल प्रधान राणा ने कहा कि आजकल के व्यस्त समय में युवा वर्ग हर वक्त मोबाइल में व्यस्त रहता है उन्होंने कहा कि हमे युवाओं को आउट डोर गेम खेलने के लिए प्रेरित करना चाहिए ।इस मौके पर उनके साथ युवा मोर्चा के जिला सचिव राजेश राणा भी मौजूद थे ।

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने लगाया जाम

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने इटावा बरेली हाईवे पर लगाया जाम 4 दिन से बिजली न आने से परेशान ग्रामीणों ने मसेनी चौराहे पर एकत्रित होकर लगाया जाम की नारेबाजी चंद मिनटों में ही पांचाल घाट से लेकर भोलेपुर तक वाहनों की लग गई लंबी लंबी कतारें पहुंची थाना कादरी गेट पुलिस ग्राम मसेनी नगला के लोगों को 4 दिन से बिजली कटौती से जूझना पड़ रहा है ग्रामीणों के अनुसार घरों में पीने के लिए पानी नहीं है भीषण गर्मी में बुजुर्गों को भी काफी दिक्कत हो रही है जाम की सूचना पर पहुंची थाना कादरी गेट पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का किया काफी प्रयास ङ्घश्वह शहरी ने मौके पर पहुंच ग्रामीणों को बंज के बल बदलने का दिया आश्वासन एक्शन शहरी ने बताया कि जिले में 300द्मद्व बंज केबल बदलने का ठेका एक कंपनी को दिया गया है लेकिन कार्यदाई संस्था के धीमे कार्य के चलते जनता को भी दिक्कत उठानी पड़ रही है और वह लोग भी काफी परेशान हैं थाना कादरी गेट क्षेत्र के इटावा बरेली हाईवे पर मसेनी चौराहे के पास का मामला

जमीन पर जबरन अवैध कब्जा करने गये भाजपा नेता को ग्रामीणों ने दौडाया

पीडित किसान ने राजस्व कर्मीयों पर अवैध कब्जा कराने का लगाया आरोप

योगेश मुदगल
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-मारहरा। थाना क्षेत्र के गांव नगला कोठी में गुरूवार को जमीन पर कब्जा करने आये एक भाजपा नेता सहित लोगों को ग्रामीणों ने दौडा लिया। जिसे बचाने में पुलिस कर्मीयों के पसीने छूट गये। आनन फानन में खेत में चल रहे टैक्टर को रूकवा कर पुलिस ने मामले को रोक दिया है। वहीं पीडित ग्रमीणों ने लेखपाल और कानूनगो पर कब्जा कराने का भी आरोप लगाया है।

नगला कोठी निवासी लालाराम पुत्र कुन्दन सिंह ने भाजपा नेता नन्नूसिंह वर्मा , गांव के ही खेमकरन पुत्र खंजन सिह पर आरोप लगाया है कि लेखपाल की सांठगाठ

से जमीन में खडी मक्का को जबरन अपनी जमीन बताकर ट्रैक्टर से खेत जोतने लगे जिसकी सूचना परिजनों को हुई मौके पर विरोध किया तो कहासुनी होने लगी मामला हाथापाई तक पहुंच गया वहीं अवैध कब्जे को लेकर उग्र ग्रामीणों का गुस्सा फूट पडा और कब्जा करने आये लोगों को दौडा लिया। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मीयों ने लोगों बचाया । जानकारी के मुताबिक नगला कोठी स्थित कस्बा के मौहल्ला वस्ती निवासी नत्थू सिंह दिवाकर की जमीन है।

जिसे नन्नू सिह वर्मा और खेमकरन ने औने पौने दामों खरीद ली जिसका रकवा पूरा है उसके बाद भी पास के खेत से दो बीघा के करीब जमीन लेखपाल से सांठगांठ कर नापतौल में जबरन नपवा दी जब पीडित किसान ने लेखपाल और कानूनगो से जानकारी मांगी तो बताने से मना कर दिया। गुरूवार को अवैध कब्जाधारी खेत में खडी मक्का की फसल को जोतकर कर कब्जा करने आए थे। परेशान पीडित किसान ने अवैध कब्जाधारियों एवं राजस्वकर्मीयों पर जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल से कार्रवाई की मांग करते हुए अवैध कब्जा रोके जाने की मांग की है। इस बारे में थाना प्रभारी सतपाल सिह ने बताया कि जमीन खरीदी बतायी गयी है जिसकी पैमाइश लेखपाल द्वारा की गयी है उसमें पास के खेत में कुछ जमीन आने की बताई गयी है। ग्रामीणों के बवाल को देखते हुए कब्जा रूकवा दिया गया है।

राजकुमार सिंह ने विमल कुमार वर्मा एडवोकेट जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष पद से मांगा इस्तीफा

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद एल्डर कमेटी का गठन हुए एक महा गुजर गया परंतु आज तक कोई कमेटी की बैठक नहीं हुई इस संबंध में पूर्व में मौखिक और लिखित रूप से बैठक बुलाकर प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया पर आज तक कोई कमेटी के द्वारा कोई मीटिंग तक नहीं की गई बार एसोसिएशन का अधिकांश यह मानना है। अपनी निष्क्रियता केवल निलंबित सचिव को लाभ के रूप में पहुंचाने के लिए लगे हैं आप स्वयं सचिव की पैरवी में नोएडा जा रहे हैं परंतु कमेटी की बैठक बुलाकर चुनाव प्रक्रिया शुरू नहीं करा रहे हैं इस कृत्य के कारण मेरे व मेरे सदस्यों के ऊपर आरोप लगाए जा रहे हैं जिससे बार एसोसिएशन फर्रुखाबाद की छवि धूमिल हो रही है

अतः हम सभी लोग आपसे अनुरोध करते हैं कि अभिलंब कमेटी की बैठक बुलाई तथा चुनाव प्रक्रिया शुरू करें यदि इतना साहस ना हो तो पद से इस्तीफा देकर किसी अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता को पद की जिम्मेदारी सौंप दें जिससे चुनाव प्रक्रिया आरंभ हो सके वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार राठौर राजीव बाजपेई श्याम कटियार प्रहलाद सिंह बड़े ठाकुर विजय कुमार शर्मा गौरव दुबे नरेश यादव प्रदीप सिंह श्रवण कुमार चतुर्वेदी सूर्य प्रताप सिंह आदि अधिवक्ताओं ने वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार सिंह राठौर जी की बात का समर्थन किया और कहा कि बैठक कराकर चुनाव प्रक्रिया तुरंत शुरू कराई जाए।

Know who is Michael Leask, who turned the match on the last ball and thus snatched victory from the jaws of IRE

IRE vs SCO know Who is Michael Leask? Scotland snatched the match from the jaws of Ireland with a four off the last ball. In the World Cup qualifier match on 21 June, Michael Leask gave the team victory by hitting a winning six off the last ball. Batting first, Ireland scored 286 runs. In response, the Scottish team had a poor start. Scotland snatched the match from the jaws of Ireland by hitting the last ball for a four. In the World Cup qualifier match on 21 June, Michael Leask gave the team victory by hitting a winning six off the last ball.

Batting first, Ireland scored 286 runs. In response, the Scottish team had a poor start. The team had lost their 6 wickets at a score of 122 runs, but after this, Leask played an unbeaten innings of 91 runs in 61 balls and on the last ball, while creating panic with the bat on the field. Turned the match in its favor. Let us tell you that when Ireland's desire to win was very close, Leask emerged as a villain for the Irish team and Scotland won the match by 1 wicket. In such a situation, through this article, know about 5 facts about Michael Leask. Lisk has good experience Let us tell you that the 32-year-old Leask has a lot of experience. He may not have played many matches for the country, but he is not lacking in experience. In international cricket, he has played 111 cricket matches for the country, including ODIs and T20s. Talking about overall career, he has scored 1309 and 609 runs while playing 86 List A and 66 T20 matches.2. Leask has played English county cricket - apart from the Scottish team, Leask also plays county cricket. He has played for two teams in the county, including Northamptonshire and Somerset. He was linked with Somerset in 2016, but was later signed. 3. Made his international debut in 2013 – Leask made his international debut in the year 2013 against Kenya. He started his career with a T20 match and in this match Scotland defeated Kenya. Batting first, Scotland scored 113 runs. In response, Kenya was bundled out for 78 runs, but Leask's bat did not last much in this match. He could only score 1 run.4. Has blasted against England as well - In the 2014 ODI match against England, Leask was seen making headlines by performing brilliantly. He surprised everyone by playing an inning of 42 runs in 16 balls. His innings included 5 sixes and 2 fours. In this rain-affected match, England scored 167 runs in 20 overs. 5. Has been a part of MCC (Marylebone Cricket Club) - In the year 2020, the MCC CC (Marylebone Cricket Club) team was sent on a tour of Pakistan. Leask was selected in that team and played in both matches on the tour.

Heavy loss to England and Australia, two points deducted from both teams, players also lost match fees

After the defeat in the Birmingham Test, the England team has also lost two extra points from the points table of the World Test Championship. At the same time, the players will also have to pay 40 percent of the match fee as fine. England have faced defeat in the first Test of the Ashes series. After this defeat, the ICC has given a double blow to England. All England players will have to pay 40 per cent of their match fees as fines and the team has also lost two points in the World Test Championship points table. However, the ICC's action is not only on the England team. Australia has also been fined the same. However, winning this match, the Australian team will not feel much remorse about the fine. As per ICC rules, a team is deducted one point for being one over behind in stipulated time in every match and players are fined 20 per cent of their match fees. In this match, both the teams could not complete two overs in the stipulated time. For this reason, the players of both the teams have lost 40 per cent of their match fees. Apart from this, both the teams have also lost two points in the points table of the third cycle of the World Test Championship (2023-25). Australian captain Pat Cummins and England captain Ben Stokes have accepted the offence. Because of this there was no need for a formal hearing. After this penalty, Australia have 10 points after one match in the new cycle (2023-25) of the Test Championship. Australia had 12 points after winning the Birmingham Test, but two points were deducted as a penalty. At the same time, this team is at the last place in the points table after the loss of two points to England, as the rest of the teams have more points than zero, while England has -2 points. In the first cycle of the World Test Championship, India and New Zealand reached the finals and the New Zealand team became the champions. At the same time, the final of the second cycle was recently played between India and Australia, in which Australia's team became the new Test champions. Now the third cycle has started, in which all the teams will play a total of six series, three at home and three away. Based on the results of these series, the teams that will reach the finals of the third round will be selected.

Six stars including Rohit-Ashwin can retire in two years, how ready is Team India for change

There is pressure on many players after two consecutive defeats in the World Test Championship. The next final of the World Test Championship is to be held in 2025. Many players are about to retire and some are on the verge of being dropped. In such a situation, it has to be seen what changes happen in the team. The Indian team today is on the same verge where it was in 2011. Then after the World Cup, many players of the team were going to be out. In front of Mahendra Singh Dhoni, the challenge was to find substitutes for players like Virender Sehwag, Sachin Tendulkar, Harbhajan Singh, Gautam Gambhir, Zaheer Khan, Ashish Nehra. Dhoni slowly built a new team. Now the BCCI has exactly the same challenge. Many players are about to retire and some are on the verge of being dropped. There is pressure on many players after the defeat in two consecutive World Test Championships. The next final of the World Test Championship is to be held in 2025. By then Rohit Sharma and Ravichandran Ashwin will be 38-38 years old. Cheteshwar Pujara and Ajinkya Rahane will be 37-37 years old. At the same time, the age of Virat Kohli and Ravindra Jadeja will be 36-36 years. Mohammed Shami will be 34 years old. This is more than half of the Indian playing-11 players. Now the biggest question is, how long will the Indian team play with these players? Will the team play with them or will new players get a chance? After all, how long will Rohit Sharma be the captain of Team India? What will be the changes in the middle order and who will take care of the bowling? What is the future of Rohit and Kohli in Test?- Kohli has 8479 runs in his name. He has to score 1521 runs to complete 10,000 runs. Virat may accomplish this in the upcoming edition of the World Test Championship, but the question is whether he will play Tests after 2025. He replaced Sachin Tendulkar at number four. Now who can replace Kohli in the middle order? Shreyas Iyer is a big contender to replace him. They just have to keep their fitness right for this. He has been injured for the last few months and it may take time to make a comeback. As far as Rohit is concerned, he has recently played his 50th Test. His fitness could become a big problem in the coming years. The selectors believe that Rohit would have to leave any one format to play for a long time. In such a situation, Hitman can prolong his career in Test and ODI leaving T20. Who will be the next captain of India?

Rohit Sharma was made the Test captain after Virat Kohli. He is also the captain of the team in ODIs and T20s. His replacement is ready in T20. Hardik Pandya, who led Gujarat Titans to success in the IPL, could be India's next T20 captain. He has taken command in a few matches. He is at the forefront in ODIs as well, but India is looking for a strong player in Tests. Rishabh Pant was the replacement before the car accident. Shubman Gill is a contender, but his overseas exam is yet to come. Jasprit Bumrah was the strongest contender to captain the side in the 2022 Edgbaston Test, but he is battling fitness issues. At the same time, KL Rahul, who captained in some matches, is troubled by the problem of poor form and fitness. In such a situation, the selectors will have to think a lot about the captaincy. How long will Pujara and Rahane play? Ajinkya Rahane and Cheteshwar Pujara are two such players, over whom the sword has been hanging for some time. Rahane was even out for 16 months. Now he has made a comeback. He did well in the final against Australia. Whereas, Pujara was failing. In the series against West Indies, both will have to play big, otherwise many young players are ready to take their place. Abhimanyu Easwaran, Yashasvi Jaiswal, Sarfaraz Khan, Rajat Patidar, Tilak Verma and Rituraj Gaikwad have been knocking on the doors of the team for a long time. Now it has to be seen which players coach Rahul Dravid prepares. What will happen to Shami and Bumrah? Bumrah, 29, has been injured for a long time and is preparing to return. He could not even play in the T20 World Cup. He is preparing for the upcoming World Cup, but questions are being raised about his future in Tests. After the Asia Cup, India has to play in the World Cup. After that two Test series have to be played in South Africa. England has to host. There will be five tests in it. In such a situation, it has to be seen how the team management manages the workload of Bumrah. He is sorely missed in big matches. There is no bowler to replace Bumrah right now. On the other hand, talking about Shami, he has turned 32 years old. He has been sidelined by injuries, but he too has the same challenge as Bumrah. How can he manage the workload? Bowlers like Stuart Broad and James Anderson are still playing. If Shami keeps himself fit, he will play comfortably for the next two-three years. Apart from this, his place in the team is also confirmed. Bus management has to manage their workload. Who after Jadeja-Ashwin? The Indian team relies heavily on spinners in the bowling department. Especially on home ground. After the pair of Anil Kumble and Harbhajan Singh, India got the pair of Ravichandran Ashwin and Ravindra Jadeja. Both the players are at that stage of age from where their career is not very long. Akshar Patel, Kuldeep Yadav, Saurabh Kumar and Rahul Chahar are ready to replace Jadeja and Ashwin, but it remains to be seen whose pair turns out to be right. There is no such option of Ashwin among off-spinners who can play Test cricket. This way

Saif and Sara are going to rock the big screen soon, know how the character will be

Please tell that the shooting of this film of Sara Ali Khan and Saif has been done recently. A photo related to this has also surfaced. Both Sara Ali Khan and Saif Ali Khan are great stars. Both have shown tremendous acting skills in their respective films. Now very exciting news is coming for the fans of Saif Ali Khan and Sara Ali Khan. The father-daughter duo will be

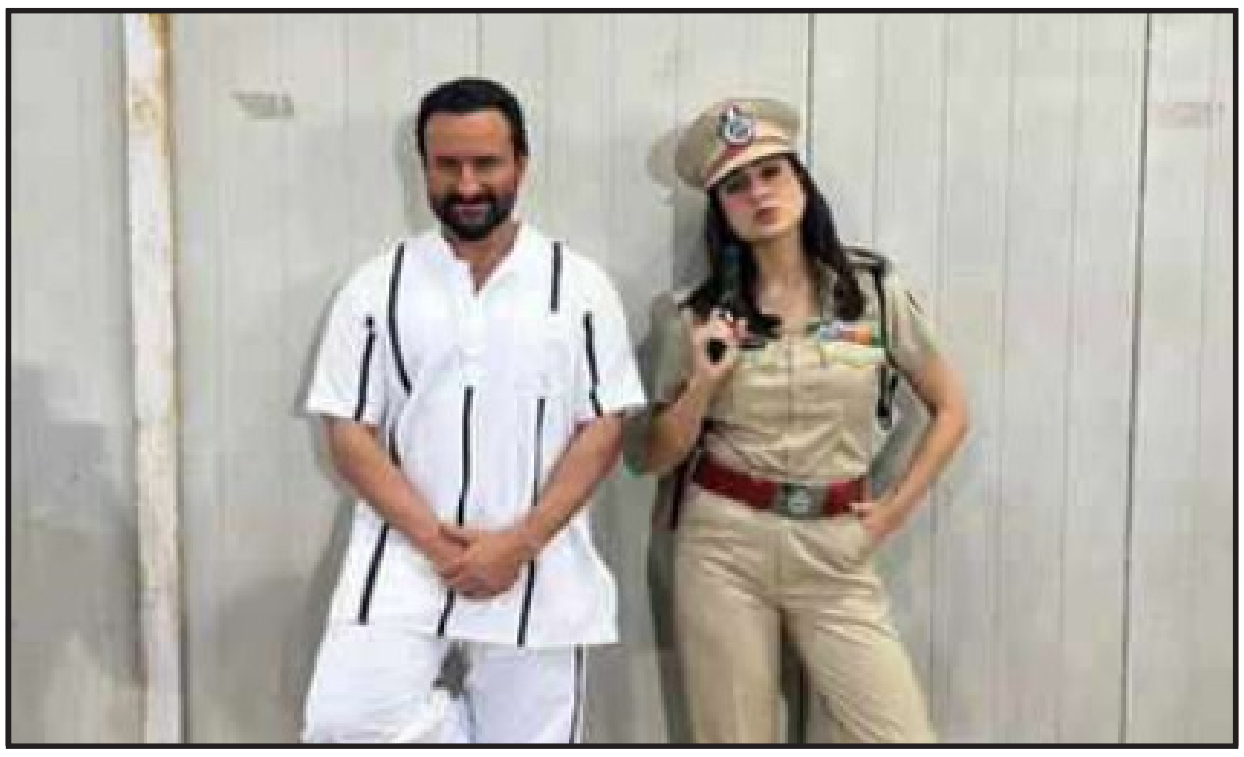

seen together for a project. It has been shot recently. Although it has not been officially disclosed yet.Ibrahim can also be seen - Tell that the shooting of this film of Sara Ali Khan and Saif has been done recently. A photo related to this has also surfaced, in which Saif Ali is seen as a prisoner while Sara Ali is in the role of a police officer. After seeing this photo, the curiosity of the fans is increasing. Interestingly, Ibrahim was also spotted around Filmcity when Saif and Sara were shooting, and it will be a treat for the fans if all three are seen together in the film. If we do, Saif Ali Khan's film Adipurush has been released recently. There is a lot of controversy going on in this film. Trolling has also been done for Saif Ali Khan's look in the film. On the other hand, talking about Sara, her film Zara Hatke Zara Bachke with Vicky Kaushal has been released, which is getting the love of the audience. The story of a middle class family is shown in this film.

Powerful trailer release of murder mystery film 'Niyat', Vidya Balan becomes entangled in the depths of the case by becoming a detective

Vidya Balan shared the trailer of 'Niyat' on Instagram. The story of this film revolves around a murder, in which many characters come under suspicion. Actress Vidya Balan is all set to return to the big screen with the upcoming murder-mystery film 'Niyat', reuniting her with 'Shakuntala Devi' director Anu Menon. Vidya's last theatrical release was 2019's 'Mission Mangal', since then she has featured in the streaming releases 'Shakuntala Devi', 'Sherni'

and 'Jalsa'. Vidya will return to the screen as a detective. The explosive trailer of 'Niyat' has been released. In the trailer, Vidya impressed the fans with her character of a detective. Fans are very excited after watching the trailer. Vidya Balan has shared the trailer of the film 'Niyat' on Instagram. The story of the film revolves around a murder in which several characters come under suspicion, but it is Vidya's task to find the real murderer. Vidya's changed look is visible in the trailer, which is being liked by the fans. Vidya Balan plays the role of a detective named Meera. The trailer begins with Ram Kapoor, popularly known as AK, throwing a grand party for his family and friends, but in the midst of the celebration, AK dies. After the death, Vidya interrogates everyone to solve the case. Everyone in the party is under Vidya's suspicion. Along with the investigation, the story takes an interesting turn. It will be interesting to see how Vidya will be able to find the murderer and what difficulties she will face in the process. Talking about her character, Vidya said in a statement that Meera Rao in 'Neyat' is not your classic, everyday detective who has Made it fun for me. Moreover, not only did I get to portray an unusual and quirky character, but I also got to work with some powerful co-actors. Earlier Vidya Balan shared the teaser of the film and wrote, 'The world of secrets and motives will be revealed. See the intention. Now the trailer of the film is increasing the enthusiasm of the fans. Apart from Vidya Balan in 'Niyat', stars like Neeraj Kabi, Ram Kapoor, Shahana Goswami, Shashank Arora, Amrita Puri, Mita Vashishtha and Prajakta Koli are going to be seen. The film will be released in theaters on July 7.

Rashmika Mandanna completed the shooting of 'Animal', praised Ranbir on social media

Rashmika Mandanna is also known as National Crush. The actress rules millions of hearts with her acting beautifully. After making her debut with Hindi film industry megastar Amitabh Bachchan, she will soon be seen sharing screen space with superstar Ranbir Kapoor. Rashmika is in an important role in the film 'Animal'. Recently she has given a big update about this film. On social media, the actress has told that she has completed the shooting of this film and now she has returned to Hyderabad. In the story shared on Instagram, he has also praised the film's actor Ranbir Kapoor. He has described him as a strong actor and wonderful human being. In this Insta story, he also talked about the film. The actress wrote, "This film came to me all of a sudden. I was also really surprised but I was excited for 'Animal'. Of course I wanted to work with the whole team. I think I have shot for the film for almost 50 days.' He further added, 'Now that the shoot is over, I have started feeling empty. The whole team was lovely. The people working on the set were very professional and kind. I told him many times that I am ready to work with all of them 1000 times as well. Let us tell you that the film 'Animal', directed by Sandeep Reddy Vanga, will hit the theaters on August 11. Earlier he has made superhit films like 'Kabir Singh' and 'Arjun Reddy'. Recently the pre-teaser of this film was released, which got a lot of love from the audience.

Akshay will do big bang in winter after OMG 2, Khiladi's new film will come on this day

Akshay Kumar is called the 'Khiladi Kumar' of Bollywood. Actors remain in the limelight for one reason or the other, but everyone's eyes are fixed on Akshay's career after his consecutive releases in the last year. In such a situation, the slightest rumor about any film of the actor makes people's ears stand up. Akshay Kumar, who was last seen in 'Kathputli', is in discussion today about his upcoming film 'The Great Indian Rescue'. A few days back, where the release date of 'Oh My God' came to light, the release date of Akshay Kumar starrer 'The Great Indian Rescue' has also been announced. 'The Great Indian Rescue' was earlier named 'Capsule Gill'. The film is one of the most awaited films of this year. The film has been the talk of the town ever since its announcement, with fans eagerly awaiting the film's release. Fans have been watching every update of the Akshay Kumar and Parineeti Chopra starrer and now finally the release date of the film is out. The makers of Akshay Kumar's 'The Great Indian Rescue' have announced the release date, stating that the film will release on October 5 this winter. Starring Akshay Kumar and Parineeti Chopra, the film is based on the true life of Late Shri Jaswant Singh Gill. Based on the incident, who led India's first coal mine rescue operation. He saved 64 miners from a flooded mine in West Bengal in 1989. Gill, who hails from Amritsar, had received several awards for his bravery. He died in 2019 at the age of 80. 'The Great Indian Rescue' will see Akshay Kumar and Parineeti Chopra working together for the second time after the 2019 film 'Kesari'. The film is produced by Pooja Entertainment and directed by Tinu Suresh Desai. Tinu Suresh Desai and Akshay Kumar have previously worked together in the 2016 film Rustom.